वैशाख शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 270 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 29-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'लोग टी20 क्रिकेट में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं'

6 अक्षय तृतीया : जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाने का पर्व

7 केजीएफ में 'शोपीस' बनने से कोई ग्रेरेज नहीं, ये फिल्म मेरा सपना थी : श्रीनिधि शेट्टी

फर्स्ट टेक

24 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 28.50 लाख रुपए के इनामी 14 नक्सलियों समेत कुल 24 नक्सलियों ने सोमवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 11 महिला नक्सली शामिल हैं। नक्सलियों ने ऐसे समय में आत्मसमर्पण किया है, जब 21 अप्रैल से तेलंगाना की सीमा से लगी बीजापुर की पहाड़ियों पर लगभग 24,000 सुरक्षाकर्मियों की मदद से एक बड़ा नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य सुदरू हेमला उर्फ राजेश (33) और परतापुर एरिया कमेटी सदस्य कमली मोड़ियम पर पांच-पांच लाख रुपए, जबकि जयमोती पूनेम (24) पर तीन लाख रुपए का इनाम था।

रूस ने 8-10 मई को यूक्रेन में युद्ध विराम की घोषणा की

कीव/एपी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय 'क्रेमलिन' ने यूक्रेन में 8 से 10 मई तक पूर्ण युद्धविराम की सोमवार को घोषणा की। रूस ने द्वितीय विश्वयुद्ध में नाजी जर्मनी पर जीत के अवसर पर आयोजित 'विजय दिवस' के उपलक्ष्य में यह घोषणा की है। यह युद्धविराम आठ मई की मध्यरात्रि से शुरू होगा और 10 मई तक चलेगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 9 मई को विजय दिवस के लिए मानवीय आधार पर शत्रुतापूर्ण कार्रवाई को पूरी तरह से रोकने का आदेश दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में शांति समझौता कराने के लिए प्रयास तेज कर रहे हैं। पुतिन ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति रोके जाने और यूक्रेन के लामबंदी प्रयास को छोड़ने तक बिना शर्त पूर्ण युद्ध विराम को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

ईरान के बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हुई

दुबई/एपी। ईरान के एक प्रमुख बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर 65 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से प्राप्त खबरों से विस्फोट के कारण के बारे में और अधिक सवाल उठे हैं। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बंदर अब्बास के पास शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या की सूचना दी।

राष्ट्रपति ने 71 प्रमुख हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख दिवंगत ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक दिवंगत पंकज उधास, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील कुमार मोदी और तमिल दैनिक दिनामलार के प्रकाशक, लक्ष्मीपति रामसुब्बायर उन 71 प्रमुख हस्तियों में शामिल थे जिन्हें सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

इस साल 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों – पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री – के लिए नामित किया गया था।

इनमें से 71 लोगों को सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य गणमान्य लोगों की

राष्ट्रपति ने तमिल दैनिक दिनामलार के प्रकाशक लक्ष्मीपति रामसुब्बायर को पद्मश्री से सम्मानित किया।

उपस्थिति में राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में ये पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि शेष को शीघ्र ही एक अलग समारोह में ये अलंकरण प्रदान किए जाएंगे।

वरिष्ठ अभिनेता एवं निर्देशक शेखर कपूर, क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन, हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी. नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें बलैया के नाम से भी जाना जाता है, अन्य प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वालों में चार – सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक एवं फिल्म निर्देशक एम.टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। कुल 10 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें पंकज उधास (मरणोपरांत), सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस. अजित कुमार, जाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं, जिन्हें 'पेंटियम के जनक' के रूप में जाना जाता है।

इस अवसर पर 57 प्रमुख हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इनमें भारतीय स्टेट बैंक की पूर्व अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य, उद्योगपति पवन कुमार गोयनका, वन्यजीव शोधकर्ता और मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली और कुशल कठपुतली कलाकार भीमाव्वा डोड्डाबलप्पा शिलेक्याथरा शामिल हैं।

26 राफेल(एम) विमानों की खरीद के लिए हुए समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और फ्रांस ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए लगभग 64,000 करोड़ रुपए की लागत से राफेल लड़ाकू विमानों के 26 नौसैनिक संस्करण खरीदने के वास्ते एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते में राफेल विमान के ढांचे के लिए उत्पादन सुविधा स्थापित करने के साथ-साथ भारत में विमान के इंजन, सेंसर और हथियारों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग सुविधाओं की स्थापना का प्रावधान है। बयान में कहा गया कि इस समझौते से भारत में स्वदेशी हथियारों के एकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में भी मदद मिलेगी।

इन विमानों की आपूर्ति 2030 तक पूरी हो जाएगी, जिसके चालक दल को फ्रांस और भारत में प्रशिक्षण दिया जाएगा। फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन द्वारा निर्मित, राफेल-मरीन लड़ाकू विमान समुद्री क्षेत्र में पूर्ण रूप से संचालन में सक्षम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) द्वारा खरीद को मंजूरी दिए जाने के तीन सप्ताह बाद इस बड़े सौदे पर मुहर लगी। संदर्भ शर्तों के अनुसार, अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग पांच वर्ष बाद जेट विमानों की आपूर्ति शुरू होनी होगी।

जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने कई दौर के विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद इस बड़े अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) लड़ाकू विमानों के निर्माता दसॉ एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल-मरीन और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा संचालित राफेल में समानताएं हैं। उसने एक बयान में कहा, राफेल-मरीन की खरीद से भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना दोनों के लिए विमान प्रशिक्षण और रक्षा सामग्री को अनुकूलित करने के साथ-साथ संयुक्त परिचालन क्षमता में भी काफी वृद्धि होगी। इसमें कहा गया, इन विमानों के शामिल होने से भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोतों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' किया

पहलगाम रिपोर्टिंग पर 'बीबीसी' को भेजा पत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री के साथ-साथ झूठे एवं भ्रामक बयान प्रसारित करने के आरोप में 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' कर दिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह निर्णय जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद लिया गया। सरकार ने पहलगाम त्रासदी को लेकर अपनी रिपोर्टिंग में आतंकवादियों को ''चरमपंथी'' कहने पर 'बीबीसी' को एक औपचारिक पत्र भी भेजा है। अधिकारियों ने कहा, ''गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर भारत सरकार ने भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और भ्रामक बयान तथा गलत सूचना प्रसारित करने के आरोप में कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया है।'' जिन यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' किया गया है उनमें, 'डॉन न्यूज', 'इरशाद भट्टी', 'समा टीवी', 'एआरवाई न्यूज', 'बोल न्यूज', 'रफ्तार', 'द पाकिस्तान रेफरेंस', 'जियो न्यूज', 'समा स्पोर्ट्स', 'जीएनएन', 'उजैर क्रिकेट', 'उमर चीमा एक्सक्लूसिव', 'अस्मा शिराजी', 'मुनीब फारूक', 'सुनो न्यूज' और 'राजी नामा' शामिल हैं।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का दुनिया में मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को दिल्ली में बुजुर्गों के लिए प्रधानमंत्री वय वंदना स्वास्थ्य सेवा योजना की शुरुआत के अवसर पर कहा कि दुनिया में इसका एक मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ, पुरी ने लाभार्थियों के बीच वय वंदना कार्ड वितरित किए।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को रोके रखने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) नीत पिछली सरकार की आलोचना की।

पुरी ने कहा कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए वय वंदना स्वास्थ्य सेवा योजना की जो अहमियत है, उसके लिए यह योजना इतिहास की किताबों में ''स्वर्ण अक्षरों'' में जगह बनाएगी।

उन्नत, औद्योगिक लोकतंत्रों की स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की समस्याओं का हवाला देते हुए पुरी ने कहा कि ये बीमा प्रीमियम भुगतान की आवश्यकताओं, अस्पतालों की सीमित संख्या और बुजुर्गों के लिए देरी से मिलने वाले परामर्श जैसी समस्याओं से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ''बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में वय वंदना योजना का दुनिया में एक मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा।''

इस योजना के तहत लाभार्थियों के लिए 47 निजी और 10 सरकारी अस्पताल सूचीबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना की खासियत यह है कि यह पूरी तरह से 'कैशलेस' है।

हम 2028 तक बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जापान के सहयोग से बन रही 15 अरब डॉलर की लागत वाली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम 2028 तक पूरा हो जाएगा। फडणवीस ने कहा कि राज्य अपने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषकों से 50 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। इसके लिए चार महीने में घोषणा की जाएगी।

शिवसेना के उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना फडणवीस ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना को 2022 तक के दो वर्ष के शासन के दौरान नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब काम पूरी तेजी से जारी है। फडणवीस ने कहा, '' 2028 तक हम बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे।'' उन्होंने स्वीकार किया कि पड़ोसी राज्य गुजरात इस परियोजना के विकास में महाराष्ट्र से आगे है। फडणवीस ने कहा कि 1000 अरब अमेरिकी डॉलर के राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है। 2014-19 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान बुनियादी ढांचे के निर्माण में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया था और अब महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अधिक धन लगाया जा रहा है।

नए पोप के चुनाव के लिए सम्मेलन सात मई से शुरू होगा

वेटिकन सिटी/एपी। कैथोलिक कार्डिनल्स ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए सम्मेलन की शुरुआत की तारीख सात मई तय की तथा गुप्त मतदान को दो दिन के लिए टाल दिया, ताकि वे एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान सकें और किसी उम्मीदवार पर आम सहमति बना सकें। कार्डिनल्स ने शनिवार को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के बाद अनौपचारिक बैठक के पहले दिन यह तारीख तय की। अफरा-तफरी में पत्रकारों ने अंदरुनी माहौल और आपसी एकता के बारे में सवाल पूछे। एक इतालवी टेलीविजन कार्यक्रम के एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या वित्त से संबंधित आरोपों में वेटिकन आपराधिक अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए इतालवी कार्डिनल को वोट देने की अनुमति दी जाएगी। यह सम्मेलन पांच मई को ही शुरू हो सकता था, लेकिन कार्डिनल्स ने खुद को अनौपचारिक सत्रों में बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया, जिसमें 80 वर्ष से अधिक आयु के कार्डिनल शामिल हैं, जिन्हें सम्मेलन शुरू होने के बाद सिस्टिन चैपल में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वे अगली बार मंगलवार की सुबह मिलेंगे। अर्जेंटीना के कार्डिनल एंजेल सिक्सटो रॉसी (कॉर्डोबा के 66 वर्षीय आर्कबिशप, जिन्हें फ्रांसिस ने 2023 में कार्डिनल बनाया था) ने कहा, एकता की उम्मीद है।

29-04-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे | 30-04-2025 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
80,218.37 (+1,005.84)	24,328.50 (+289.15)

सोना	चांदी
10,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,332 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फ़ितरते पाकिस्तान

दहशत में रहने वाले तो,
दहशतगर्दी ही लायेंगे।
नफ़रत के सौदागर हैं जो,
वे प्यार कहां कर पायेंगे।
काँटों की आदत पड़ी जिन्हें,
ना गुल वे कभी बिछायेंगे।
जिनकी फ़ितरत जूते खाना,
उनको जूते ही भायेंगे।।

	जय महावीर				जय गुरु पारस	
	श्री आदिनाथाय नमः				पूज्य जयमल्लाय नमः	
	जय जिनेन्द्र				जय गुरु पदम	

बेंगलूरु नगर की धन्य धरा पर
श्री श्रेयांस पारणा समिति
के तत्वावधान में
सामूहिक अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव

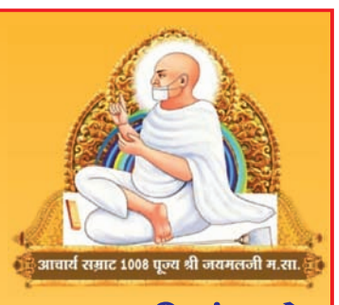

आचार्य सम्राट 1008 पूज्य श्री जयमलजी म.सा.

250 तपस्वी

निमित्ते जय आचार्य पद प्रदान दिवस | आचार्य लाल स्मृति दिवस

सकल श्री संघ को सस्नेह निमंत्रण

* पावन सानिध्य *
जयगच्छाधिपति संघ सुमेरु, व्याख्यान वाचस्पति, वचन सिद्ध साधक, उग्र विहारी, आशुकवि, अनुशासन प्रेमी, बारहवें पट्टधर
आचार्य प्रवर 1008 पूज्य श्री पार्श्वचंद्रजी म.सा.
एस. एस. जैन समणी मार्ग के प्रारम्भकर्ता, बारह व्रतों के प्रबल प्रेरक, अणुप्पेहा ध्यान प्रणेता, प्रवचन प्रभावक, युवाप्रेरक डॉ. श्री पदमचंद्रजी म.सा.
तपस्वी, मौन साधक श्री जयधुरन्धरमुनिजी म.सा., सेवाभावी, विद्याभिलाषी श्री जयकलशमुनिजी म.सा., तत्वरसिक श्री जयपुरन्दरमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
महासती श्री सुगनकंवरजी म.सा. की सुशिष्या महासती श्री शशिप्रभाजी म.सा., महासती श्री इंदुप्रभाजी म.सा., महासती श्री निपुणप्रभाजी म.सा., महासती श्री वृद्धिप्रभाजी म.सा., महासती श्री ऋद्धिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा एस.एस. जैन समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिजी, जैन समणी निर्देशिका डॉ. श्रुतनिधिजी, जैन समणी निर्देशिका डॉ. सुयशनिधिजी, जैन समणी डॉ. सुगमनिधिजी, जैन समणी डॉ. सुधननिधिजी, जैन समणी डॉ. सुयोगनिधिजी आदि ठाणा

मंगलवार 29 अप्रेल 2025
सायं 6:30 बजे से : सुप्रसिद्ध गेमावत एण्ड पार्टी द्वारा
तप अनुमोदनार्थ भक्ति, सांस्कृतिक कार्यक्रम
एवं दीक्षार्थी का बहुमान
स्थल: श्री गोड़वाड़ जैन भवन
नं 131, लालबाग रोड़, पूर्णिमा टॉकिज के पीछे, बेंगलूरु

मांगलिक कार्यक्रम

बुधवार 30 अप्रेल 2025
* प्रातः 7 बजे से : अल्पाहार
* प्रातः 8:30 बजे : तपस्वियों की शोभा यात्रा
* प्रातः 9:30 बजे से : प्रवचन
* प्रातः 11 बजे से : तपस्वियों का वर्षीतप पारणा
* प्रातः 11:30 बजे से : गौतम प्रसादी
स्थल: हस्तिनापुर नगरी (त्रिपुरा वासिनी)
गेट नं. 2, पैलेस ग्राउण्ड्स, बेल्लारी रोड, बेंगलूरु

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव समारोह के संपूर्ण लाभार्थी : * साधर्मिक परिवार * साधर्मिक परिवार

चेयरमेन : रमेश सियाल | सह चेयरमेन : मीठालाल लोढ़ा | कोषाध्यक्ष : महावीरचन्द श्रीश्रीमाल | भंवरीलाल चोरड़िया | JK महावीरचन्द चोरड़िया | कोमलचन्द धोका | महेन्द्रकुमार चोरड़िया MK | महेन्द्रकुमार मुथा | पदमराज रातड़िया | प्रकाशचन्द टोडरवाल | रेवंतमल नाहर | रमेशकुमार गुगलिया | राजेन्द्रकुमार नाहर | रोशनलाल नाहर | उत्तमचन्द कोठारी | विशेष सेवा : सरलादेवी नाहर

'शुल्क को लेकर अन्य देशों की तुलना में भारत अधिक अनुकूल स्थिति में'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न मौजूदा वैश्विक माहौल में भारत के अपने विशाल घरेलू बाजार, बड़े पैमाने के लाभ और नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करने से प्रतिस्पर्धी बने रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि शुल्क दरों की अन्य देशों से तुलना भी की जाए तो भी भारत अधिक अनुकूल स्थिति में है।

सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा है कि चूंकि अन्य देशों को भी अलग-अलग स्तर के शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए भारत संभवतः पहले की तुलना में कई उत्पादों के मामले में 'अधिक प्रतिस्पर्धी' बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि आकर्षक घरेलू बाजार ने वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यहां महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है। सिंधिया ने भारत की आर्थिक वृद्धि की मजबूत गति और विनिर्माण व नवाचार पर देश की नीति का हवाला दिया।

मंत्री ने कहा, '' इसलिए मेरा मानना है कि शुल्क के कारण मौजूदा माहौल के बावजूद भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। इसका कारण बड़े पैमाने पर काम होने से हमें मितव्ययिता का लाभ है। इसके साथ नवोन्मेष बड़े बाजारों की जरूरतों को पूरा

करने में हमें सक्षम बनाता है।'' अमेरिकी शुल्क स्थिति पर उनके नजरिये के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि शुल्क के पूरे प्रश्न को तुलनात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। सिंधिया ने कहा, '' यदि आप वह देश हैं जिसके साथ मैं प्रतिस्पर्धा करता था और आप पर लगाए गए शुल्क आज संभवतः मेरे शुल्क से दोगुने हैं। जहां मैं आपके मुकाबले प्रतिस्पर्धी नहीं था, अब मैं प्रतिस्पर्धी हो गया हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि इसे केवल भारत-केंद्रित दृष्टिकोण से नहीं बल्कि तुलनात्मक दृष्टिकोण से भी देखना महत्वपूर्ण है।''

मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अनेक क्षेत्रों में अनेक उत्पादों के लिए शुल्क लागू होने से पहले की तुलना में भारत अधिक प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगा। उन्होंने इसे '' एक महत्वपूर्ण बदलाव '' बताते हुए कहा कि भारत ने बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण के साथ ही एक निर्यातक देश के दृष्टिकोण से भी स्वयं को बदल लिया है। मंत्री ने कहा, '' ...आपको समझना होगा कि एक अर्थव्यवस्था के रूप में हम कहां खड़े हैं...आज भारत का कद बेहद ऊंचा है...हम आज 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। हम आज करीब 4000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है, 2028 तक 5000 डॉलर और 2030 तक 6000 अमेरिकी डॉलर के करीब होंगे।'' सिंधिया ने कहा कि एक ऐसा देश जो अपनी मोबाइल फोन की जरूरत का अधिकतर हिस्सा आयात करता था और सिर्फ पांच करोड़ फोन बनाता था। आज 35 से 40 करोड़ से अधिक मोबाइल फोन बना रहा है। उन्होंने कहा, '' हमारा केवल मोबाइल निर्यात ही 1,75,000 करोड़ रुपए से अधिक है।''

भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का निर्णायक जवाब दिया जाएगा : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते की शुरूआत में हुए आतंकी हमले के जवाब में आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश के दो व्यक्ति सहित 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नायडू ने एक निजी कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर कोई भारत में हस्तक्षेप करता है, तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे। वे कुछ नहीं कर सकते। भले ही वह कोई आतंकवादी संगठन हो, वे इस देश को हिला नहीं सकते।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले जैसे बर्बर कृत्य भारत की ताकत के सामने सफल नहीं होंगे। नायडू ने भारतीयों के साहस को रेखांकित करते हुए, सभी से ऐसी चुनौतियों के मद्देनजर एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि राष्ट्र की रक्षा करने की शक्ति इसके लोगों में निहित है। आतंकवाद का मुकाबला करने में केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

2024 में भारत का सैन्य व्यय पाक से लगभग नौ गुना रहा : सिप्री

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2024 में भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान के मुकाबले लगभग नौ गुना अधिक रहा। स्वीडन के एक प्रमुख विचार मंच द्वारा सोमवार को जारी किए गए एक अध्ययन में यह बात कही गई। यह अध्ययन पहलगाम हमले को लेकर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट' (सिप्री) के अनुसार, भारत का सैन्य व्यय 1.6 प्रतिशत बढ़कर 86.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि पाकिस्तान का सैन्य व्यय 10.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

रिपोर्ट में कहा गया कि सैन्य व्यय के मामले में शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत का वैश्विक सैन्य खर्च में 60 प्रतिशत योगदान है तथा इनका संयुक्त व्यय 1,635 अरब अमेरिकी डॉलर है। अध्ययन में कहा गया कि चीन का सैन्य व्यय 7.0 प्रतिशत बढ़कर अनुमानतः 314 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो लगातार तीन दशकों की वृद्धि को दर्शाता है। 'विश्व सैन्य व्यय में चलन 2024' नामक रिपोर्ट में कहा गया कि कम्युनिस्ट देश का एशिया और ओशिनिया में कुल सैन्य खर्च में 50 प्रतिशत का योगदान है, जो अपनी सेना के निरंतर आधुनिकीकरण और साइबर युद्ध क्षमताओं तथा परमाणु शस्त्रागार के विस्तार में निवेश कर रहा है।

सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना समाज की साझा जिम्मेदारी: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना सिर्फ कुछ विभागों का काम नहीं है बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन सभी हितधारकों की ओर से निरंतर प्रयास अभी भी जरूरी हैं। मंत्री ने हिंदी को बढ़ावा देने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों जैसे कुछ क्षेत्रों में योग्य शिक्षकों की कमी और प्रशासनिक बाधाओं पर भी बात की। उन्होंने हितधारकों को औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर नियमित संचार व व्यावहारिक पहल के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने कहा, केवल वास्तविक, दिन-प्रतिदिन की प्रतिबद्धता के माध्यम से ही हम शासन के सभी क्षेत्रों में हिंदी को मुख्यधारा में ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की नई पीढ़ी, राजनीतिक आख्यानों से परे, हिंदी सीखने के लिए तेजी से उत्सुक हो रही है, जो एक सांस्कृतिक बदलाव का संकेत है।

बाबा केदार की मूर्ति शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ से केदारनाथ के लिए रवाना

रुद्रप्रयाग/भाषा। बाबा केदार की मूर्ति को रुद्रप्रयाग जिले में स्थित उसके शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ से सोमवार को फूलों से सजी एक डोली में केदारनाथ मंदिर के लिए रवाना किया गया। केदारनाथ मंदिर के कपाट दो मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। हर साल गर्मियों में केदारनाथ के कपाट खुलने से पहले यह रस्म निभाई जाती है। सर्दियों में कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की मूर्ति को उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर ले जाया जाता है और वहीं उनकी पूजा की जाती है।

सुबह साढ़े 10 बजे भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों और बाबा केदार के जयघोष के बीच डोली इस पंचमुखी उत्सव मूर्ति को लेकर केदारपुरी के लिए निकली। मंदिर के पुजारियों, वेदपाठियों और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने डोली को अपने कंधों पर उठाया। केदारनाथ के लिए विदा करने से पहले पंचमुखी उत्सव मूर्ति को पंच स्नान करवाया गया और डोली में विराजमान कर साज-सज्जा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उखीमठ स्थित श्री ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचे, जिसे फूलों से सजाया गया था। केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल भी इस मौके पर मौजूद थीं। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि गुप्तकाशी, फाटा और गौरीकुंड में रात्रि विश्राम के बाद यह डोली एक मई को केदारनाथ पहुंचेगी। केदारनाथ के कपाट दो मई की सुबह सात बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ सकती है कर्ज में चूक की आशंका: राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से उधारकर्ताओं के लिए परिचालन लागत बढ़ेगी और उनकी संपत्तियों के नुकसान का जोखिम पैदा होगा जिससे कर्ज में चूक करने की आशंका बढ़ जाएगी।

राव ने 'भारत में हरित और टिकाऊ वित्त के लिए एक मजबूत परिवेश का निर्माण' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के जोखिम वित्तीय संस्थानों, वित्तीय प्रणाली और वास्तविक अर्थव्यवस्था को परंपरागत जोखिम श्रेणियों के जरिये प्रभावित करते हैं जिनमें कर्ज से जुड़ा जोखिम अहम है। राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से फसल के नुकसान, रोजगार की हानि और आजीविका के नुकसान जैसे विभिन्न तरीकों से वास्तविक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। उन्होंने हरित एवं टिकाऊ वित्तपोषण को बढ़ावा देने की जरूरत और कार्बन कटौती से जुड़े ऋण जोखिमों के विरोधाभास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस विरोधाभास का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है, जिसके लिए नियामकों को वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए एक नाजुक संतुलन साधना होगा। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर ने हरित और टिकाऊ वित्त के लिए संरचनात्मक मुद्दों और उपलब्ध वित्तपोषण की मात्रा से संबंधित चुनौतियों का उल्लेख किया। राव ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर हरित बदलाव का नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।

कांग्रेस देश की सुरक्षा के लिए सरकार के कदमों का पूरा समर्थन करती है : मीर

जम्मू/भाषा। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमानवीय और बर्बर बताया और कहा कि पार्टी देश की सुरक्षा और शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से सरकार की पहल का समर्थन करती है।

जम्मू कश्मीर में कांग्रेस विधायक दल के नेता मीर ने आतंकवादी हमले के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि भारत इस नृशंस हमले का जवाब देने के लिये एकजुट है।

आप बड़े राजमार्ग बना रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में लोग मर रहे हैं: शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क/मोटर वाहन हादसों के शिकार लोगों के लिए नकदीरहित इलाज की योजना तैयार करने में देरी को लेकर केंद्र पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि आप बड़े-बड़े राजमार्गों का निर्माण कर रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में लोग वहां मर रहे हैं।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि आठ जनवरी के आदेश के बावजूद केंद्र ने न तो निर्देश का पालन किया और न ही समय बढ़ाने की मांग की। शीर्ष अदालत ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 164ए एक अप्रैल, 2022 को तीन साल के लिए प्रभाव में लायी गयी थी लेकिन केंद्र ने दावेदारों को अंतरिम राहत देने के लिए योजना बनाकर इसे लागू नहीं किया। पीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव से पूछा, ''आप अवमानना कर रहे हैं। आपने समय बढ़ाने की मांग करने की जहमत नहीं उठाई। यह क्या हो रहा है? आप हमें बताएं कि आप योजना कब बनाएंगे? आपको अपने कानूनों की परवाह नहीं है। यह कल्याणकारी प्रावधानों में से एक है। इस प्रावधान को प्रभाव में आये तीन साल हो गए हैं। क्या आप वाकई आम आदमी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं?''

शीर्ष अदालत ने सचिव से यह भी सवाल किया, '' क्या आप इतने लापरवाह हो सकते हैं? क्या आप इस प्रावधान के प्रति गंभीर नहीं हैं? लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। आप बड़े-बड़े राजमार्ग बना रहे हैं, लेकिन वहां लोग मर रहे हैं क्योंकि वहां कोई सुविधा नहीं है। 'गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट (हादसे के एक घंटे में इलाज)' की कोई योजना नहीं है। इतने सारे राजमार्ग बनाने का क्या फायदा?'' मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 2 (12-ए) के तहत 'गोल्डन ऑवर' सड़क हादसे में किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे की अवधि को संदर्भित करता है, जिसके तहत समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप से मृत्यु को रोका जा सकता है। शीर्ष अदालत ने सचिव को योजना में देरी के कारणों को स्पष्ट करने के लिए तलब किया था। सचिव ने सोमवार को कहा कि एक मसौदा योजना तैयार की गई थी, लेकिन 'जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी)' द्वारा आपत्ति जताए जाने के कारण इसमें बाधा उत्पन्न हो गई। सचिव ने कहा, ''जीआईसी सहयोग नहीं कर रही है। इसने तर्क दिया है कि उसे दुर्घटना में शामिल मोटर वाहन की बीमा पॉलिसी की स्थिति की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।''

आग में फाइलें जल गईं, लेकिन डिजिटल रिकॉर्ड से जांच जारी रखने में मदद मिलेगी : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को कहा कि मुंबई में उसके एक कार्यालय में लगी आग में कुछ दस्तावेज और फर्नीचर जल गया है, लेकिन जांच या सुनवाई में 'कोई बाधा' आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि फाइलें डिजिटल रूप से भी संग्रहीत हैं।

संघीय एजेंसी ने रविवार को लगभग 2:25 बजे बैलार्ड एस्टेट में कैसर-ए-हिंद इमारत में स्थित मुंबई जोनल ऑफिस-1 की चौथी मंजिल पर लगी आग पर एक बयान जारी किया। एजेंसी ने कहा कि प्रथम दृष्टया आग का कारण चौथी मंजिल पर बिजली के बक्सों में शॉर्ट-सर्किट लग रहा है। एजेंसी ने कहा कि हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है, लेकिन प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि आग की घटना में कुछ कागजात/दस्तावेज और फर्नीचर आदि जल गया। उन्होंने कहा कि जांच से संबंधित साक्ष्य दस्तावेज और अन्य दस्तावेज हमेशा डिजिटल रिकॉर्ड के रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। इसके साथ ही ये केंद्रीकृत रिकॉर्ड रखने की प्रणाली में भी संग्रहीत किए जाते हैं। बयान में कहा गया है, ''जिन मामलों में अभियोजन पक्ष की शिकायतें दर्ज की गई हैं, उनके मूल रिकॉर्ड संबंधित अदालतों के पास उपलब्ध हैं।'' इसलिए, धन शोधन निरोधक कानून, विदेशी मुद्रा उल्लंघन और भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत मामलों की जांच करने वाली एजेंसी के अनुसार, जांच या परीक्षण करने में कोई व्यवधान होने की उम्मीद नहीं है। ईडी ने कहा कि कैसर-ए-हिंद भवन के भूतल और पहली मंजिल पर स्थित कार्यालय 'चालू' हैं और आग से प्रभावित चौथी मंजिल पर स्थित कार्यालय का हिस्सा स्थानांतरित कर दिया गया है और अब जन्मभूमि चैंबर्स स्थित पुराने क्षेत्रीय कार्यालय से संचालित हो रहा है ।

जांच एजेंसी ने कहा कि आग को सबसे पहले कार्यालय में तैनात कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों ने देखा, जिन्होंने इमारत में तैनात रात्रि ड्यूटी राज्य पुलिस कर्मियों को सूचित किया।

पुलिस ने करीब 2:30 बजे दमकल विभाग को सूचना दी, जिसने 50 से अधिक कर्मियों और कई दमकल गाड़ियों के साथ करीब 3:30 बजे आग बुझाने का काम शुरू किया।

ईडी ने कहा कि वह मुंबई में अपने लिए 'स्वतंत्र' कार्यालय स्थान स्थापित करने की प्रक्रिया में है, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने मार्च में एजेंसी को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जमीन आवंटित की है।

जांच एजेंसी ने कहा कि जल्द से जल्द स्वतंत्र कार्यालय बनाने के लिए प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद 1,000 से अधिक भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

लाहौर/भाषा। पिछले छह दिन में 1,000 से अधिक भारतीय वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान से अपने घर लौट चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद वीजा रद्द होने के कारण उन्हें अपनी यात्राएं बीच में ही रोकनी पड़ी थीं।

एक सरकारी अधिकारी ने 'पीटीआई' को बताया, पिछले छह दिन में 1,000 से अधिक भारतीय वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान से अपने घर लौट चुके हैं। इसी तरह, सोमवार तक 800 से अधिक पाकिस्तानी स्वदेश लौट चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के दीर्घकालिक वीजा रखने वालों को स्वदेश लौटने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को 236 पाकिस्तानी स्वदेश लौटे और 115 भारतीय अपने वतन पहुंचे।

वाघा पर पाकिस्तान रेंजर्स और भारत के सीमा सुरक्षा बल ने आव्रजन की अनुमति देने से पहले स्वदेश भेजे गए नागरिकों के कागजात की गहन जांच की। आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को गोलीबारी की थी जिसमें 26 लोग मारे गए, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। नई दिल्ली में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने बुधवार को अन्य बातों के अलावा अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया। अटारी-वाघा सीमा भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित है।

मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया

यमुना का पानी 33 में से 22 स्थानों पर गुणवत्ता परीक्षण में विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि निगरानी वाले यमुना नदी के 33 स्थानों में से 22 स्थानों पर 2024 में पानी की गुणवत्ता केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मानकों पर खरी नहीं उतरी।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने संसद की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुति में कहा कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में क्रमशः सभी सात और 12 स्थान स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड पर खरे नहीं उतरे, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सभी चार स्थान इस मानदंड पर खरे उतरे।

इसने कहा कि हरियाणा में यमुना के छह स्थानों में से तीन आवश्यक मानदंडों पर खरे उतरे, जबकि तीन स्थान मानदंड पूरा करने में विफल रहे।

सीपीसीबी का राष्ट्रीय जल निगरानी कार्यक्रम (एनडब्ल्यूएमपी) घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), पीएच और 'फेकल कोलीफॉर्म' के मापदंडों के तहत पानी का मूल्यांकन करता है।

समिति के समक्ष अपने प्रस्तुतीकरण में मंत्रालय ने कहा कि फरवरी 2025 के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में उत्पन्न कुल 3,600 एमएलडी जलमल में से 791 एमएलडी (मेगालीटर प्रतिदिन) अशोधित रह जाता है।

मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जनवरी 2023 में यमुना नदी में प्रदूषण को रोकने के वास्ते कार्ययोजना की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था।

उदित राज ने थरूर को बताया 'भाजपा का वकील', लोकसभा सदस्य ने पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता उदित राज ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पार्टी सांसद शशि थरूर की एक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि आखिर वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वकील कैसे बन गए।

थरूर ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा में रहे पूर्व सांसद उदित राज यह बेहतर समझते हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से कौन बोलता है। थरूर ने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए रविवार को कहा था कि सुरक्षा में कुछ चूक जरूर हुई है, लेकिन अपनी बेहतरीन खुफिया सेवाओं के लिए विख्यात इजराइल का भी उदाहरण है, जहां दो साल पहले बड़ा हमला हुआ था। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी भी देश के पास 100 प्रतिशत पुख्ता खुफिया सेवा (फूलप्रूफ इंटेलिजेंस) नहीं हो सकती। उनकी इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस' के अध्यक्ष उदित राज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शशि थरूर ने कहा कि किसी देश के पास 100 प्रतिशत 'फुलप्रूफ इंटेलिजेंस' नहीं है। 26/11 के मुंबई हमले के समय (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात से मुंबई पहुंचकर कहा था कि केंद्र सरकार की असफलता है। यह भी कहा था समस्या केंद्र (सरकार) है, सीमा पर नहीं। कैसे आतंकी आए जब खुफिया विभाग, बीएसएफ, सीआरपीएफ केंद्र के पास है। थरूर जी को मोदी जी से यह पूछना चाहिए।'' उदित राज के अनुसार, सत्ता में कांग्रेस नहीं है, फिर भी समय-समय पर भाजपा उसकी आलोचना करती रहती है। पूर्व सांसद ने कहा, ''भाजपा के लोग कहते हैं कांग्रेस के समय आतंकवादी मार कर चले जाते थे, तो क्या आपको नहीं पूछना चाहिए कि उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम में मार कर कैसे चले गए?''

माओवादियों के साथ वार्ता के प्रस्ताव पर कांग्रेस में अंदरूनी चर्चा के बाद होगा निर्णय: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि माओवादियों के साथ संघर्ष विराम और शांति वार्ता की वकालत करने वाले बुद्धिजीवियों के एक समूह के प्रस्ताव पर राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिये जाने से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इसपर चर्चा की जाएगी।

यहां मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने 'ऑपरेशन कगार (छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में माओवाद विरोधी अभियान)' पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस की भी वकालत की। रविवार को एक रैली में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा की गयी आलोचना का जवाब देते हुए रेड्डी ने इसे गुस्से का इजहार के रूप में खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राव के भाषण में कोई सार नहीं था। इस रैली में राव ने दावा किया था कि

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। केसीआर की इस टिप्पणी पर कि कांग्रेस सरकार विधानसभा में 'बच्चों' (उनके बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव का स्पष्ट संदर्भ) के सवालों का जवाब देने में विफल रही है, रेड्डी ने आश्चर्य जताया कि ''बच्चों'' को विधानसभा में क्यों भेजा जाता है जबकि केसीआर दूर रहते हैं। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि वह अगले 20 वर्षों तक राजनीति में सक्रिय रहने की योजना बना रहे हैं।

भाजपा ने राज्यपाल से अपने 18 विधायकों का विधानसभा से निलंबन समाप्त करने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से अनुरोध किया कि विधानसभा से उसके 18 विधायकों के निलंबन को रद्द किया जाए। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वह विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर को विधायकों के निलंबन पर पुनर्विचार करने का निर्देश दें और उन्हें जनप्रतिनिधियों के रूप में अपनी जिम्मेदारियां फिर से संभालने में सक्षम बनाएं। एक अभूतपूर्व कदम के तहत, 21 मार्च को कर्नाटक विधानसभा से 18 भाजपा विधायकों को 'अनुशासनहीनता' दिखाने और 'आसन का अनादर' करने के मामले में छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था और सदन से बाहर नहीं जाने पर उन्हें मार्शलों द्वारा बाहर निकाला गया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है, ''....हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं कि कृपया कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष को राज्य में मुख्य विपक्षी दल के 18 विधायकों के निलंबन आदेश पर पुनर्विचार करने का निर्देश दें।'' उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि निलंबन रद्द किया जाए, ताकि संबंधित विधायक जन प्रतिनिधियों के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को फिर से निभाना शुरू कर सकें। और कर्नाटक राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों के मूल सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

बजट सत्र के अंतिम दिन विधायकों के निलंबन का आदेश जारी किया गया था। भाजपा विधायकों ने सरकारी ठेकों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना के खिलाफ कथित 'हनी-ट्रैप' मामले की न्यायिक जांच की मांग की थी। विधानसभा के अंदर विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ भाजपा विधायक आसन वाले पोडियम पर चढ़ गए और उसे घेर लिया, जबकि कुछ अन्य ने आसन के पास से अध्यक्ष पर कागज फेंके। विधानसभा अध्यक्ष के आदेश के बाद आसन को घेरने वाले भाजपा विधायकों को मार्शलों के माध्यम से बलपूर्वक बाहर निकाला गया। राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में अशोक ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस का 18 विधायकों को निलंबित करने का फैसला 'अलोकतांत्रिक' और 'असंवैधानिक' है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की। विधानसभा में भाग लेना हमारा अधिकार है। लोगों ने विधायकों को विधानसभा में बोलने और विभिन्न विधायी समितियों के माध्यम से सरकार के कामकाज की निगरानी करने के लिए चुना है। यह हमारा कर्तव्य है और इसमें बाधा डाली जा रही है, इसलिए यह असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह पहले ही विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से बात कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हमने राज्यपाल से मुलाकात की और संविधान तथा विभिन्न अदालती आदेशों के बारे में उनके संज्ञान में बातें लाईं। उन्होंने (राज्यपाल ने) कहा है कि वह सरकार को पत्र लिखेंगे और संबंधित मंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष से बात करेंगे। उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि निलंबन सत्र के लिए होना चाहिए था, छह महीने के लिए नहीं। अपने फैसले को गैरकानूनी बताने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा अध्यक्ष खादर ने कहा कि सभी को लोकतंत्र में अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है और सबकुछ संविधान तथा नियमों के अनुरूप होगा।राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में भाजपा ने कहा कि विपक्ष के सदस्य के रूप में वे विरोध स्वरूप आसन के पास एकत्रित हुए थे। इसमें कहा गया है, अध्यक्ष और सत्ताधारी पार्टी ने गलत तरीके से समझा कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन से हमने सदन की मर्यादा के विरुद्ध आचरण किया है। परिणामस्वरूप, कर्नाटक विधानसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम के नियम 348 के तहत 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया और उन पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिए गए। निलंबित किए गए विधायकों में भाजपा के मुख्य सचेतक डोड्डान गौड़ा पाटिल, पूर्व उप मुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण, एस आर विश्वनाथ, बी ए बसवराजू, एम आर पाटिल, चन्नाबसप्पा, बी सुरेश गौड़ा, उमानाथ कोट्यान, शरणु सालगर, डॉ. शैलेन्द्र बेलदाले, सी के राममूर्ति, यशपाल सुवर्णा, बी पी हरीश, भरत शेट्टी, धीरज मुनिराजू, चंद्रू लमानी, मुनिरत्ना और बसवराज मत्तीमुद शामिल हैं।

निराश भाजपा सदस्यों की धमकियों से नहीं डरते : मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी। कांग्रेसी भाजपा की धमकियों से नहीं डरते। हमने ऐसे सैकड़ों विरोध प्रदर्शन और धमकियां देखी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि इस तरह की घटना से भाजपा को कोई फायदा नहीं होगा। सोमवार को यहां सीपीईडी मैदान में केंद्र सरकार के खिलाफ आयोजित विरोध रैली में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के

भाषण के दौरान काले कपड़े दिखाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं पर कटाक्ष करते हुए मंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश के मुख्यमंत्री के प्रति अनादर दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा के हताशापूर्ण रवैये को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा में हिम्मत होती तो वे आगे आकर विरोध कर सकते थे। उनमें वह साहस नहीं है, लोग जानते हैं कि मूल्य वृद्धि किसने की। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसे समारोह में ऐसा करना उचित नहीं है। हमें भी विरोध करने का मन है। भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में विरोध प्रदर्शन और दंगे हो सकते हैं। आप सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और प्रशंसक भी हैं। मंत्री ने कहा कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो हमें सोचना पड़ेगा कि क्या करना है। हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने पहले ही सटीक अपील कर दी है और आने वाले दिनों में उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री और हमने इस तरह के कई विरोध प्रदर्शन देखे हैं।

वीना कश्यप अभा वीरशैव महासभा की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु। वीना कश्यप को अखिल भारतीय वीरशैव महासभा की महिला शाखा का

राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय वीरशैव महासभा के अध्यक्ष डॉ. शमनूर शिवशंकरप्पा ने वीना कश्यप को राष्ट्रीय महिला प्रभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वीणा कशप्पनवर बागलकोट जिले के हुनगुंडा इलाकल की रहने वाली हैं। उन्हें वीरशैव समुदाय के संगठनों और कार्यक्रमों में एक प्रमुख नेता के रूप में मान्यता प्राप्त थी। यह नियुक्ति उनकी सेवाओं को ध्यान में रखकर की गई है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

ब अदालत,
प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, रांची
मूल वाद संख्या 226 वर्ष 2025

कुमार रोहित ...आवेदक
बनाम
कोमल गुप्ता ...विपक्षी

नोटिस बनाम

कोमल गुप्ता, पति- कुमार रोहित तथा पिता- बीरेंद्र कुमार गुप्ता, निवासिनी- सुनीता ड्रेसेस, चर्च रोड, थाना- डेली मार्केट, जिला- रांची, कार्यालय पता- फलोसर्व इंडिया कंट्रोलस प्राइवेट लिमिटेड, ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग सेंटर, जोनाशा 1 बिल्डिंग, लक्ष्मी सागर लेआउट, महादेवपुरा, बेंगलूरु - 560048

चूंकि बजरिए इस नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि वादी/आवेदक ने आपके विरुद्ध उपर्युक्त अदालत में मूल वाद संख्या 226/2025 धारा 13 (1) (i-a) हिंदू विवाह अधिनियम का मुकदमा दाखिल किया है, जिसमे आपको नजारत एवं डाक के द्वारा नोटिस भेजा गया, किन्तु आप उपर्युक्त वाद में अभी तक उपस्थित नहीं हुई हैं।

अतः आपको इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप **दिनांक 21/05/25 को समय 10:30 बजे** पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा आपकी गैर-हाजिरी में मुकदमे की सुनवाई एकपक्षीय की जाएगी।

इसे सख्त ताकीद जानें।

यह नोटिस अदालत के मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 24/04/25 को जारी किया गया।

आदेशानुसार प्रधान न्यायाधीश,
कुटुंब न्यायालय, रांची
सिरिस्तेदार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहिब रोड काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली -110 001
आधार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में उप निदेशक (प्रौद्योगिकी) एवं सहायक निदेशक (प्रौद्योगिकी) के पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु रिक्ति परिपत्र।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में पाँच उप निदेशक (प्रौद्योगिकी) एवं एक सहायक निदेशक (प्रौद्योगिकी) के पदों को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (मानव संसाधन), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) आधार कॉम्प्लेक्स, एनटीआई लेआउट, टाटा नगर, कोडिगेहल्ली, टेक्नोलॉजी सेंटर, बेंगलुरु- 560 092 को भेजे जा सकते हैं। सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **12.5.2025** है। चूंकि यह रिक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरी जानी है, अतः गैर-सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त हुए या अपूर्ण पाए गए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट **https://uidai.gov.in/images/VC_41_2025.pdf** पर उपलब्ध है।

निदेशक (मा. सं.)

आधार नामांकन और अद्यतन सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए UIDAI.GOV.IN पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

CBC 54103/11/0027/2526

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहिब रोड काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली -110 001
आधार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में निदेशक (प्रौद्योगिकी) के पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु रिक्ति परिपत्र।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में निदेशक (प्रौद्योगिकी) के दो पदों को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (मानव संसाधन), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), बंगला साहिब रोड, काली मंदिर के पीछे, गोल मार्केट, नई दिल्ली-110 001 को भेजे जा सकते हैं। सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **24.5.2025** है। चूंकि ये रिक्तियाँ प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरी जानी है, अतः गैर-सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त हुए या अपूर्ण पाए गए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट **https://uidai.gov.in/images/VC_48_2025.pdf** पर उपलब्ध है।

निदेशक (मा. सं.)

आधार नामांकन और अद्यतन सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए UIDAI.GOV.IN पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

CBC 54103/11/0019/2526

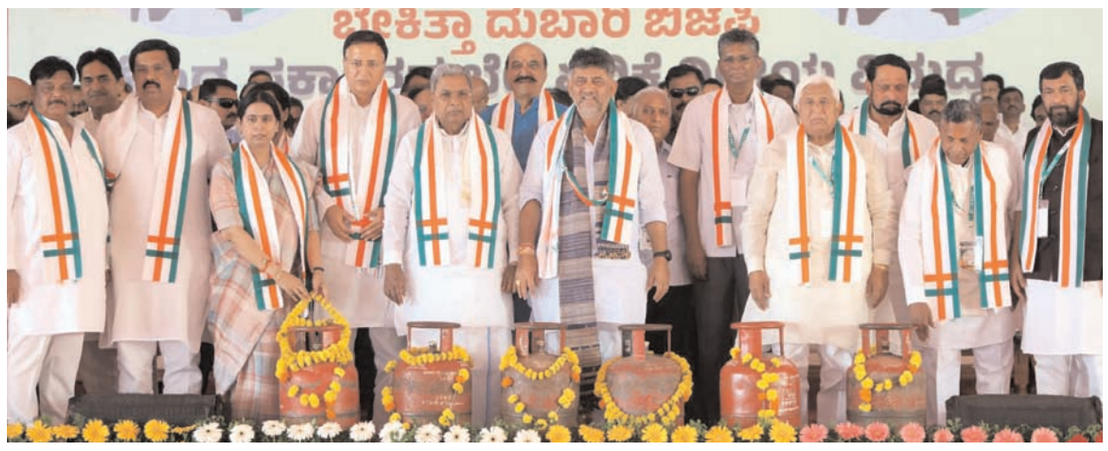

बेलगावी में सोमवार को संविधान बचाओ एवं महंगाई विरोधी रैली में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आदि।

लोगों ने भाषण में बाधा डालने की कोशिश की तो पुलिस अधिकारी पर बरसे सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में एक विरोध रैली के दौरान भातीय जनता पार्टी (भाजपा) के कथित कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के भाषण को बाधित करने की कोशिश की तो वह अपना आपा खो बैठे और मंच पर एक पुलिस अधिकारी की ओर हाथ उठाकर इशारा किया। कांग्रेस और आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारी भीड़ के बीच मौजूद लोगों के समूह ने काले झंडे लहराये और नारे लगाए।

सिद्दरामय्या इससे परेशान थे और उन्होंने पुलिस अधिकारी को मंच पर बुलाया। उन्होंने उससे कहा, यहां आओ, एसपी कौन है। तुम क्या कर रहे हो।'' इसके बाद मुख्यमंत्री को हताश होकर अधिकारी की ओर हाथ से (मारने का) इशारा करते हुए देखा गया, लेकिन वह तुरंत ही अपना हाथ नीचे कर लेते हैं, तथा बाद में अधिकारी को व्यवधान पैदा करने वाले लोगों को हटाने का निर्देश देते हैं। देखा जा सकता है कि सिद्दरामय्या ने अपना आपा खो दिया, जबकि कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने उन्हें शांत करने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें बेलगावी से आने वाली मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर से सवाल करते हुए देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री यहां संविधान बचाओ एवं महंगाई विरोधी रैली को संबोधित कर रहे थे, जिसमें कांग्रेस के कई नेता एवं उनके मंत्रिमंडल के मंत्री शामिल हुए। सिद्दरामय्या ने भाषण फिर से शुरू किया और कहा, भाजपा एवं आरएसएस हर जगह इसी तरह शांति भंग करने की कोशिश करेंगे। वे समाज में आग भड़काने की कोशिश करते हैं। वे समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। हम भाजपा के ऐसे प्रयासों से नहीं डरेंगे। हमारे पास उनका सार्वजनिक रूप से सामना करने की ताकत है। मैं उन्हें यह स्पष्ट करना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से इस तरह के व्यवधानों में लिप्त होने के लिए भाजपा की निंदा करता हूं। क्या आपको (भाजपा को) शर्म नहीं आती? सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस ऐसी चीजों से नहीं डरेगी। उन्होंने कहा, हम केंद्र सरकार की मूल्य वृद्धि के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन बंद नहीं करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बाद में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा को चेतावनी दी कि यदि भाजपा का रवैया इसी तरह जारी रहा तो वह राज्य में कहीं भी उसकी बैठक या कार्यक्रम नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, आज पहली बार भाजपा ने अपने चार कार्यकर्ता भेजे। मुझे नहीं मालूम कि वे पार्षद थे या ब्लॉक अध्यक्ष। वे हमारा कार्ड लेकर आए थे। उन्होंने काला झंडा दिखाया, नारे लगाए और व्यवधान डालने की कोशिश की।

शिवकुमार ने कहा, मैं आपको (भाजपा को) चेतावनी देना चाहता हूं। अगर आप सुधर गए तो ठीक है। अगर यही रवैया जारी रहा तो राज्य की जनता और ईश्वर ने मुझे इतनी शक्ति दी है कि मैं आपके खिलाफ आपके द्वारा किए गए कृत्य से भी बड़े पैमाने पर ऐसी ही कार्रवाई सुनिश्चित कर सकता हूं। यह एक चेतावनी है।

केनरा बैंक ने दी राहत, आरएलएलआर में कटौती की

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा रेपो दर को 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6.00 प्रतिशत करने के फैसले के बाद अपनी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) में 25 आधार अंकों की कटौती की है। इससे ग्राहकों पर वित्तीय भार में कमी आएगी। यह दर संशोधन 12 अप्रैल से प्रभावी होगा तथा ऋण को ज्यादा किफायती बनाकर प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएगा। आरएलएलआर में कटौती के साथ सभी ऋणों के लिए न्यूनतम ब्याज दर कम कर दी गई है। अब आवास ऋण 7.90 प्रतिशत प्रति वर्ष और वाहन ऋण 8.20 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होगा।

इससे मौजूदा और नए उधारकर्ताओं के लिए कम ईएमआई तथा घर या वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को फायदा मिलेगा। केनरा बैंक नीतिगत दरों में कटौती का समय पर लाभ ग्राहकों को पहुंचाना सुनिश्चित करते हुए अपनी पेशकश को उनकी जरूरतों के अनुरूप बनाना जारी रखे हुए है। यह कदम ऋण को ज्यादा सुलभ बनाने और ग्राहकों को अपने सपनों एवं वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा।

कमांडर्स कॉन्क्लेव-2025 में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना की मुख्यालय प्रशिक्षण कमान ने वायुसेना में प्रशिक्षण से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए प्रत्यक्ष बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा के लिए सोमवार को कमांडर्स कॉन्क्लेव-2025 की मेजबानी की। प्रशिक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में कमान के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों के कमांडरों ने

भाग लिया। सम्मेलन के दौरान, मुख्यालय प्रशिक्षण केंद्र में संबंधित शाखा प्रमुखों द्वारा प्रशिक्षण, रखरखाव और प्रशासन संबंधी पहलुओं की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों और प्रशिक्षण लक्ष्यों को हासिल करने में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला गया। अपने संबोधन में, एओसी-इन-सी ने भारतीय वायुसेना के मिशन वक्तव्य 'पीपल फर्स्ट मिशन आलवेज' के अनुरूप प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने और कर्मियों के जीवन स्तर को उन्नत करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए कमांडरों की सराहना की। उन्होंने भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भविष्योन्मुखी प्रशिक्षण के महत्त्व पर भी जोर दिया।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 (फोन : 080-28094541, 4186) द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

1.	कार्य का नाम :	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में डी32. मीटर पुरानी 18 मीटर. बीएल-4 सुविधाओं और मुख्य द्वार की धुआं पहचान प्रणाली को प्रतिस्थापित करना।	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में सैटकॉम भवन में नए टेलीमेडिसिन कक्ष में प्रस्तावित टेराकॉम अवसंरचना के लिए और आईएनएमसीसी सुविधा के लिए यूडीबी के एसआईटीसी के विद्युत प्रणाली का नवीनीकरण।	डीओएस हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, बेंगलूरु में एसएसजी कार्मिकों के लिए सीआईएसएफ बैरक का ऊर्ध्वाधर विस्तार - विद्युत कार्य।
2.	एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-13/2025-2026 दिनांक28.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-14/2025-2026 दिनांक28.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/सीओएन/ईटीएन-18/2025-2026 दिनांक28.04.2025
3.	निविदा का अनुमानित मूल्य :	रु. 22.53 लाख	रु. 20.67 लाख	रु. 23.22 लाख
4.	निविदा दस्तावेज विवरण :	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
5.	कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	तीन (03) माह		बारह (12) माह
6.	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	29.04.2025 को 16.00 बजे से 14.05.2025 को 16.00 बजे तक		
7.	बोली स्पष्टीकरण :	30.04.2025 को 11.00 बजे से 15.05.2025 को 16.00 बजे तक		
8.	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	12.09.2024 को 16.30 बजे तक		
9.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	13.09.2024 को 14.30 बजे तक		
10.	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	17.09.2024 को 11.30 बजे से		
11.	अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 45,060.00	रु. 41,340.00	रु. 46,440.00

2. इच्छुक निविदाकार पात्रता मानदंड के लिए विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें और अन्य ब्यौरे के लिए वेबसाइट www.isro.gov.in देखें और www.tenderwizard.com/ISRO से निविदा प्रलेख डाउनलोड करें।

समूह प्रमुख (निर्माण एवं अनुरक्षण),इस्ट्रैक

जैसलमेर में 800 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों ने लंबी अवधि के वीजा के लिए किया आवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के कम अवधि केवीजा पर पाकिस्तान से भारत आये हिंदू शरणार्थियों को फिलहाल वापस नहीं भेजने के मौखिक आदेशों के बाद राजस्थान में रह रहे हजारों की तादात में हिंदू पाक नागरिकों ने राहत की सांस ली है और आठ सौ से अधिक लोगों ने लंबी अवधि के वीजा के लिए आवेदन किया है। सरकार के निर्देशों के बाद अब कम अवधि के वीजा पर भारत आये हिंदू पाक नागरिकों को लंबी अवधि के वीजा के लिये आवेदन करने को कहा गया है।

इसके तहत गत शनिवार और रविवार को जैसलमेर में करीब 800 से ज्यादा हिन्दुओं ने लंबी अवधि के वीजा के दस्तावेज तैयार कर विदेश पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) में जमा करवाई है। ये लोग पाकिस्तान विस्थापित हिंदू शरणार्थी शामिल हैं, जो लंबे समय से भारत में रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह राहत इन लोगों को पाकिस्तान से भारत में रहने की वैधता प्रदान कर सकती है और उनके जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगी है। सीमांत लोक संगठन के दलीप सिंह सोढा ने कहा, हमने सरकार से राहत मिलने का आश्वासन प्राप्त किया है। पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों को राहत मिलने की संभावना है और हम इस फैसले से बहुत उम्मीदें रखते हैं।

इस राहत के तहत सरकार से मिले मौखिख आदेशों के बाद शार्ट टर्म वीजा पर भारत आये पाकिस्तान के विस्थापित हिंदू शरणार्थी के लिए आवेदन करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों के लिए आदेश जारी कर सकती है, जिससे इन शरणार्थियों को एक निश्चित अवधि के लिए राहत प्रदान की जाएगी।

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं। इसमें ग्रीन एरिया, पार्किंग, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि आगंतुकों को श्रेष्ठ सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हो। भविष्य में आगंतुकों की संख्या एवं हवाई सेवाओं के अनुरूप टर्मिनल का निर्माण किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई पट्टियों के उन्नयन और मरम्मत कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उदयपुर हवाई अड्डे के विस्तार एवं उत्तरलाई हवाई पट्टी पर सिविल एन्क्लेव और अप्रोच रोड के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष की जा रही है।

शर्मा ने प्रदेश में हवाई पट्टियों के उन्नयन और विस्तार की समीक्षा की। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड़ और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार व प्रतापगढ़ और हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने हरियाणा से सालासर और खाटूश्यामजी के लिए हवाई सुविधा और एयर एंबुलेंस सुविधा के विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस की सुविधा से दूरस्थ स्थानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी जिससे आमजन को राहत मिलेगी। शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुए एमओयू पर हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

खरगे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' में सोमवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री मोदी पर कई गंभीर सवाल उठाए और उनकी नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी क्यों नहीं आए? जब देश के स्वाभिमान पर हमला हो, तब आप चुनावी भाषण देने बिहार क्यों गए? सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की मौजूदगी होती तो हम सब को मदद के बारे में योजनाएं पता चलतीं।

उन्होंने बीजेपी और हिंदुत्व के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। खरगे ने कहा, अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर नफरत करने का बयान दिया। अंबेडकर जितना भगवान का नाम लेते तो स्वर्ग मिल जाता, लेकिन अब वह यह तय नहीं कर सकते कि स्वर्ग मिलेगा या नहीं। खरगे ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं भी हिंदू हूं और मेरा नाम तो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अमित शाह और मोदी दलितों और पिछड़ों को झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दलित झुकने वाले नहीं हैं। गोविंद सिंह डोटासरा ने मोदी से पूछा, पहले पुलवामा में हुआ, अब पहलगाम में हुआ। यह चूक कहां हुई? मोदीजी आपने जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ? एक के बदले 100 सिर कब आएंगे? पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गांधी परिवार का बचाव किया, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर हमला किया जा रहा है। गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिए हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान दी। आज उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।सचिन पायलट ने संविधान पर हमलों का विरोध करते हुए कहा, बीजेपी संविधान को कमजोर कर रही है और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़े, इस पर चुनाव आयोग चुप है। रैली में कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार की नीतियों पर कड़ी आलोचना करते हुए संविधान को बचाने का संकल्प लिया। खरगे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने जनता से बीजेपी के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की अपील की। रैली के बाद, खरगे ने राजस्थान के कांग्रेस नेताओं के साथ तीन अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया, जिसमें संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, राजस्थान में कानून व्यवस्था इतनी खराब है कि एक महीने में तीन दलितों की हत्या कर दी गई। रैली को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति में बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके योजनाओं का लाभ : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा अधिकारीगण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस तरह का माइक्रो मैनेजमेंट करें कि निचले तबके और जरूरतमंद हर व्यक्ति को सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ मिल सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सोमवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय 'अम्बेडकर भवन' में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि समाज कल्याण की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके।

गहलोत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं में लम्बित बिन्दुओं पर चर्चा की गई साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की अब तक की प्रगति रिपोर्ट जानी। इस दौरान विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की आदिनांक तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में अनुप्रति कोचिंग योजना की नवीनतम अपडेशन, छात्रावासों में सामान क्रय के लिए गठित संभागीय कमेटियों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। बैठक में कृषि विपणन बोर्ड एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों की अब तक प्रगति रिपोर्ट, आवासीय विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर स्टाफ लिये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ करना, कोर्ट केसेज की नवीनतम स्थिति, विभागीय आदेशों के विरूद्ध विभिन्न न्यायालयों द्वारा दिये गये स्थगनों आदेशों को निरस्त कराना, जवाब पेश करना संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुलाकात

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर संवाद किया। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल बागड़े ने पंजाब के राज्यपाल कटारिया का भावभरा अभिनन्दन किया। दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी।

अटारी सीमा से 96 पाकिस्तान नागरिक लौटे

जैसलमेर। भारत सरकार द्वारा अल्पावधि वीजा पर आए पाकिस्तान के नागरिकों को वापस अपने देश जाने के निर्देश के बाद ये नागरिक अटारी बार्डर से स्वदेश लौटना शुरू हो गए हैं। जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक (सीआईडी) अजयसिंह ने बताया कि रविवार तक राज्य के सीमावर्ती एवं आसपास के पांच जिलों से 96 पाकिस्तानी नागरिकों को डिपोर्ट किया गया है। इसमें सीमावर्ती जैसलमेर से सात, बाड़मेर से छह, फलौदी से दो, बालोतरा से एक एवं जोधपुर से 76 तथा बीकानेर से चार पाकिस्तानी नागरिक शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से मिले निर्देश के बाद विदेशी पंजीयन अधिकारी द्वारा पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घण्टे के अंदर देश छोड़कर वापस स्वदेश लौटने का आदेश दिए थे। इन्हें हर हाल में रविवार रात 12 बजे से पहले अटारी बार्डर से भारतीय सीमा से निकल कर पाकिस्तान जाने के आदेश दिए थे।

बाड़मेर में तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस रहा

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां सोमवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान सीमावर्ती बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के जोधपुर संभाग में उष्ण लहर दर्ज की गई तथा शेष राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गय जो सामान्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं, राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बाड़मेर में 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 30 अप्रैल तक राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भाग में कहीं-कहीं लू चलने का अनुमान जताया है, जबकि मई के पहले हफ्ते में पूर्वी हवाएं प्रभावी होने व एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी एवं बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा तापमान में कमी होने से गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

मानसून में बाढ़, जल भराव जैसी सम्भावित स्थिति से तैयार रहने के लिए नई दिल्ली में होगी उच्च स्तरीय बैठक

जयपुर। हर साल मानसून में देश के किसी न किसी हिस्से में बाढ़, जल भराव, बांध या नहरें टूटने की घटनाएं होती हैं। यदि समय रहते तैयारियां कर ली जाए तो ये घटनाएं काफी हद तक कम हो जाती है तथा ऐसी घटनाएं होने के बावजूद मानव व अन्य संसाधनों का नुकसान सीमित रखा जा सकता है। इसी बिन्दु को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय का आपदा प्रबंधन डिविजन आगामी 8 व 9 मई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। राज्य के आपदा प्रबंधन, राहत और नागरिक सुरक्षा विभाग ने इसकी तैयारियों के लिए सभी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की शीघ्र बैठक आयोजित कर आईडीआरएन पोर्टल पर डेटा अपडेट करने तथा जिला आपदा प्रबंधन प्लान तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। आईडीआरएन (इंडिया डिजास्टर रेस्पोंस नेटवर्क) पोर्टल ऐसा मंच है जो किसी भी आपदा से निपटने के लिए कुशल मानवीय संसाधन और उपकरणों की उपलब्धता, उन्हें प्राप्त करने के तरीके तथा हर प्रकार के कॉंटेक्ट नम्बर उपलब्ध करवाता है। जैसे किसी जिले में बाढ़ आने पर उस जिले या समीपवर्ती जिले में नाव, नाविक, मिट्टी के कट्टे, ट्रैक्टर, अन्य वाहन, रसद सामग्री, शुद्ध पेयजल, किस स्थान से किस से सम्पर्क करने पर प्राप्त होगी।

तीर्थराज पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर को प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में किया जाए विकसित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान की गौरवशाली विरासत के संरक्षण के कार्य सुनिश्चित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें, जानें और गौरवान्वित महसूस करें।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पर्यटन, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित सभी विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। समय पर कार्य पूरा नहीं होने से लागत में वृद्धि होती है जिससे राजस्व की हानि भी होती है। लम्बित कार्यों के लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। शर्मा ने पर्यटन विभाग को जयपुर में राज्य स्तरीय संग्रहालय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में राजस्थान के सभी क्षेत्रों की रियासतकालीन विरासत और बहुरंगी कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र से आने वाला आगन्तुक प्रदेश की धरोहर से रूबरू हो सके। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शेखावाटी क्षेत्र की पुरानी हवेलियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। हवेलियों के स्थापत्य को नुकसान न हो और आवश्यकता पड़ने पर जीर्णोद्धार के कार्य भी करवाए जाएं।

पर्यटन सेक्टर 8 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहा है : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आईसीएआई के दुबई चैप्टर द्वारा ईयर ऑफ ग्रोथ 2025-26 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पर्यटन और संस्कृति भारत के समावेशी और सतत विकास के प्रवेशद्वार बनते जा रहे हैं। पर्यटन न केवल अर्थव्यवस्था में लगभग 9% का योगदान देता है, बल्कि 8 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है। यह ग्रामीण उत्थान, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण का भी प्रमुख साधन है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने गर्व जताया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान देश ने हिमालय की चोटियों से लेकर अंडमान के समुद्र तटों तक और रामायण व बौद्ध ट्रेल्स से लेकर मेडिकल व एडवेंचर टूरिज्म तक अपने विविध पर्यटन प्रस्तावों को वैश्विक मंच पर प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि टूरिज्म सिर्फ ट्रैवल नहीं, यह ट्रांसफॉर्मेशन है, यह दुनिया को भारत से जोड़ने वाला सेतु है। शेखावत ने आगे कहा कि 2024 में भारत ने करीब 2 करोड़ विदेशी पर्यटकों का स्वागत किया जिससे 30 बिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। 'स्वदेश दर्शन 2.0' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने घरेलू पर्यटन को एक नई ऊर्जा दी है।

शेखावत ने संस्कृति को विकास का सॉफ्ट पावर बताते हुए कहा कि 21वीं सदी में भारत की परंपराएं जैसे योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय नृत्य और वस्त्र, वैश्विक चेतना का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 2025 सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक निर्णायक वर्ष है जिसमें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और रामायण महोत्सव जैसे आयोजन भारत की सांस्कृतिक शक्ति को विश्व तक पहुंचा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार ईयर ऑफ ग्रोथ में सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दे रही है। संग्रहालयों, डिजिटल आर्काइव्स, सांस्कृतिक केंद्रों और कलाकारों के कल्याण हेतु एक समृद्ध इकोसिस्टम पर निवेश किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसी पहलें इस सोच को मूर्त रूप दे रही हैं कि संस्कृति केवल पहचान ही नहीं, बल्कि समृद्धि का मार्ग भी है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर 'परशुरामचरितम' का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर सनातन धर्म रक्षा संघ, अजयमेरू (राजस्थान) द्वारा एक भव्य व्याख्यान एवं ग्रंथ विमोचन समारोह का आयोजन वैशाली नगर रोड स्थित तपस्वी भवन में सम्पन्न हुआ। समारोह का मुख्य आकर्षण साहित्यकार विजय संस्कार (विजयकुमार शर्मा) द्वारा रचित पौराणिक ग्रंथ 'परशुरामचरितम' का लोकार्पण रहा। इस अवसर पर 'भगवान परशुराम: केवल ब्राह्मण नहीं, संपूर्ण सनातन धर्म के पूज्य देवता' विषय व भगवान परशुराम के जीवन, आदर्शों और सनातन धर्म में उनके योगदान पर विभिन्न विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्रीश्री नर्मदाशंकरपुरी जी ने कहा कि भगवान परशुराम समग्र सनातन संस्कृति के रक्षक और धर्म व्यवस्था के आधार स्तंभ थे। आज भी उनके तेजस्वी आदर्शों को आत्मसात कर अन्याय, भ्रष्टाचार और अधर्म का नाश संभव है। महानिर्वाणी अखाड़ा की साध्वी अनादि सरस्वती जी ने कहा, भगवान परशुराम ने ब्राह्मणत्व को जन्म नहीं, बल्कि गुण, आचरण और तपस्या से परिभाषित किया। उनके जीवन से युवाओं को साहस, परिश्रम और धर्मनिष्ठा की प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. आशुतोष पारीक ने कहा कि भगवान परशुराम अन्याय के विरुद्ध स्थायी चेतावनी हैं। धर्म के लिए संघर्ष करना और समाजहित को सर्वोपरि रखना ही सच्चा सनातन धर्म है। महंत श्यामसुंदर शरण देवाचार्य ने कहा कि भगवान परशुराम का अवतार कालजयी है। उनके आदर्श हर युग में धर्मरक्षा का प्रकाश-पथ दिखाते रहेंगे। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीके रूपा ने कहा कि आज के युग में संस्कारों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिदिन ग्रंथों का अध्ययन करने का भी आग्रह किया। इस मौके पर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन डॉ. लाल थदानी, योगेश गौड़, डॉ. दीपा थदानी और लता शर्मा ने किया। इस अवसर पर टाटा पावर के सीईओ सुनील शर्मा, राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सुदामा शर्मा, राजकुमार शर्मा (राजदरबार) , राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सीताराम सहित बड़ी संख्या में विप्र जन उपस्थित थे।

विवादित बयानों को लेकर भाजपा का कांग्रेस पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के कुछ नेताओं की पहलगाम हमले से संबंधित टिप्पणियों को लेकर सोमवार को मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधा और मल्लिकार्जुन खरगे तथा राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या राष्ट्रीय एकता का उनका आह्वान महज एक औपचारिकता थी।

दूसरी तरफ, कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में अपने कुछ नेताओं की विवादित टिप्पणियों से दूरी बनाते हुए हिदायत दी कि इस संवेदनशील विषय पर पार्टी लाइन से हटकर बयान नहीं दिया जाना चाहिए।

नेताओं से बयानबाजी न करने की कांग्रेस की हिदायत

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी द्वारा व्यक्त विचार ही पार्टी की राय है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार, कर्नाटक के मंत्री आर बी तिम्मापुर तथा राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाद्रा सहित पार्टी के कई नेताओं के नाम लिये। उन्होंने कहा, ''क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? या फिर उन दोनों ने औपचारिक टिप्पणियां कीं और दूसरों को अपनी मर्जी से बोलने की आजादी दी?''

प्रसाद ने कहा कि उनकी (कांग्रेस नेताओं की) टिप्पणियों का इस्तेमाल पाकिस्तान में, यहां तक कि वहां की मीडिया द्वारा भी भारत को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब आतंकी हमले के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ है, चाहे वह अमेरिका हो, फ्रांस हो या सऊदी अरब,– ये नेता इस तरह की शर्मनाक और गैर–जिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि वडेट्टीवार और तिम्मापुर जैसे नेताओं ने कुछ पीड़ितों के इस बयान पर सवाल उठाया है कि आतंकवादियों ने गैर–मुसलमानों की पहचान की और फिर उन्हें गोली मार दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया तथा पार्टी का पक्ष रखा।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के कुछ नेता मीडिया में चर्चा कर रहे हैं। वे केवल अपनी व्यक्तिगत राय रखते हैं, वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।''

रमेश ने कहा कि ऐसे अत्यंत संवेदनशील समय में इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि केवल कांग्रेस कार्यसमिति का प्रस्ताव, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी द्वारा व्यक्त विचार एवं अधिकृत पार्टी पदाधिकारियों के विचार ही कांग्रेस की आधिकारिक राय का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बाद में रमेश ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''कांग्रेस नेता इस संवेदनशील विषय पर पार्टी लाइन के अनुसार टिप्पणी करें या फिर बयानबाजी से परहेज करें।''

बंगाल में नौकरी गंवा चुके 400 से अधिक स्कूल कर्मियों ने कोलकाता में सड़क को अवरुद्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के तीन अप्रैल के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवा चुके 25,753 शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों में से 400 से अधिक लोगों ने सोमवार को दक्षिण कोलकाता में हाजरा क्रॉसिंग को अवरुद्ध कर दिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की मांग की।

व्यस्त आशुतोष मुखर्जी रोड और हाजरा रोड क्रॉसिंग पर लगभग एक घंटे तक यातायात ठप रहा। प्रदर्शनकारियों ने 2016 की बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती परीक्षा पास करने के बावजूद उन्हें 'दागी' करार दिये जाने पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उन्हें फिर से बहाल किया जाए या कम से कम 31 दिसंबर तक काम करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने कुछ शिक्षकों को अस्थायी तौर पर काम करने की अनुमति दी है। जब पुलिस ने उन्हें लगभग एक किलोमीटर दूर कालीघाट क्षेत्र में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई और वे सड़क के बीच में बैठ गए।

ममता ने जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन से पहले कहा

दीघा अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का पर्यटक केंद्र बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीघा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उम्मीद जतायी कि 30 अप्रैल को नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के बाद दीघा एक अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का पर्यटक केंद्र बन जाएगा।

दीघा पश्चिम बंगाल के दक्षिणी भाग में पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक लोकप्रिय समुद्री 'रिसॉर्ट' शहर है। सोमवार दोपहर यहां पहुंचीं बनर्जी ने कहा कि यह मंदिर अगले कई हजार वर्षों तक लोगों के समागम स्थल के रूप में काम करेगा। बनर्जी ने कहा, ''यह मंदिर निश्चित रूप से राज्य के लिए एक नया आयाम जोड़ेगा। दीघा अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का एक पर्यटक केंद्र बन जाएगा। यह सद्भाव का स्थान बनेगा।'' उन्होंने कहा,''समुद्र के कारण दीघा का एक विशेष आकर्षण है। अब, अगर यह तीर्थस्थल बन जाता है, तो अधिक पर्यटक यहां आएंगे। मुझे लगता है कि मूर्तिकारों ने शानदार काम किया है।'' दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन 30 अप्रैल को 'अक्षय तृतीया' के शुभ अवसर पर किया जाएगा। यह पुरी के 12वीं सदी के मंदिर जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति है। मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ मंदिर के भव्य उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, ''अनुष्ठान...यज्ञ कल तक जारी रहेंगे। परसों मूर्तियों की स्थापना की तैयारी होगी। उसके बाद उद्घाटन होगा।'' दीघा पुरी से 350 किलोमीटर की दूरी पर है।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में केंद्र, एएसआई को पक्षकार बनाने की अनुमति प्रथम दृष्टया सही : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद में हिंदू वादियों को केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पक्षकार बनाने की अनुमति देने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय का आदेश प्रथम दृष्टया सही है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पांच मार्च 2025 को दो वाद में संशोधन की अनुमति दी थी तथा याचिकाकर्ताओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय और एएसआई को प्रतिवादी बनाने की अनुमति दी थी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि वाद में संशोधन की अनुमति देने में प्रथम दृष्टया कुछ भी गलत नहीं है और संशोधित वाद पर जवाब दाखिल किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''एक बात तो स्पष्ट है। हिंदू वादियों द्वारा मूल शिकायत (दो वाद) में संशोधन की अनुमति दी जानी चाहिए थी।'' पीठ ने हालांकि मथुरा की शाही मस्जिद ईदगाह न्यास प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई टाल दी और इसे इसी मामले से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ संबद्ध कर दिया। मस्जिद समिति ने ''देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान का अदालत में प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त व्यक्ति'' और ''देवस्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि'' तथा हरि शंकर जैन सहित नौ अन्य को पक्षकार बनाया है।

मस्जिद समिति ने कहा कि संशोधन ने उन हिंदू वादियों द्वारा दायर मूल वाद के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिन्होंने शाही मस्जिद ईदगाह के स्थल पर अधिकार का दावा करते हुए इसे भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान बताया था।

पहलगाम हमले के बाद से असम में 'पाकिस्तान का बचाव' करने के आरोप में 22 लोग गिरफ्तार : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय धरती पर पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में अब तक कम से कम 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने 'एक्स' पर कहा, अब तक 22 देशद्रोही गिरफ्तार किए गए हैं। रविवार रात तक गिरफ्तार लोगों की संख्या 19 थी।

गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक अमीन–उल–इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित रूप से बचाव करने के लिए राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। शर्मा ने शनिवार को कहा था कि अगर जरूरी हुआ तो गिरफ्तार लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रावधान भी लगाए जाएंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है। दोनों देश दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पर्यटक स्थल बैसरन पर 22 अप्रैल को आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

सरकार आतंकी हमले के जवाब में जलबंदी करेगी तो सपा पूरा समर्थन देगी: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि अगर सरकार पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 'जलबंदी' करती है तो वह उसका पूरा समर्थन करेंगे।

साथ ही उन्होंने आगाह किया कि अगर वह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की बात करती है तो उसे चीन का मुकाबला करने के लिए भी तैयार चाहिए। यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यादव ने पहलगाम मुद्दे को सबसे संवेदनशील बताया और कहा कि सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह ठोस कदम उठाएगी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण 'जलबंदी' योजना हो सकती है। उन्होंने कहा, सरकार के 'जलबंदी' (पानी की नाकाबंदी) कदम को सपा पूरा समर्थन दे रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए यादव ने कहा, मैंने यह कई बार कहा है और मैं दोहराता हूं – सीमाओं पर सेना की आवश्यकता है। जब भी आप पीओके का मुद्दा उठाते हैं, तो आपको चीन का मुकाबला करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद में क्षतिग्रस्त मंदिरों का पुनर्निर्माण अक्षय तृतीया से : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में क्षतिग्रस्त मंदिरों के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार का काम अक्षय तृतीया से शुरू होगा।

विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि ऐसे मंदिरों के 'शुद्धिकरण' के दौरान सभी अनुष्ठान किए जाएंगे। इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है। उन्होंने दावा किया, ''वर्तमान में, इन मंदिरों पर जिहादियों द्वारा किए गए जघन्य, निंदनीय और बर्बर हमलों के निशान हैं। कुल नौ मंदिरों पर हमला किया गया और उन्हें क्षतिग्रस्त किया गया।'' अधिकारी ने यह दावा भी किया, ''हिंदू विरोधी ममता बनर्जी सरकार से कोई वित्तीय सहायता स्वीकार नहीं की जाएगी। मैं दोहराता हूं कि सभी खर्च हिंदू खुद वहन करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''मुर्शिदाबाद के हिंदुओं को उनके गांव और पड़ोस के मंदिरों में पूजा करने के उनके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। ये पूजा स्थल तीर्थ स्थलों की तरह ही महत्वपूर्ण हैं।''

उप्र: 'भड़काऊ' पोस्ट के आरोप में लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ राजद्रोह समेत कई गंभीर धाराओं में लखनऊ के हजरतगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच राठौर ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि सरकार उन पर प्राथमिकी दर्ज करवाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है और कहा कि अगर सवाल पूछना बगावत है तो वह बागी हैं।

राठौर के खिलाफ दर्ज शिकायत में कहा गया है कि पिछले सप्ताह हुए पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर एक विशेष धर्म समुदाय को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर उनकी भड़काऊ पोस्ट देश की एकता को नुकसान पहुंचा सकती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी कवि अभय प्रताप सिंह की शिकायत पर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता अभय प्रताप सिंह ने कहा, ''गायिका एवं कवयित्री नेहा सिंह राठौर ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और सोशल मीडिया मंच पर ऐसे वीडियो और पोस्ट साझा किए जिनका राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।'' पुलिस ने बताया कि शिकायत में राठौर पर धर्म और जाति के आधार पर समुदायों के बीच मतभेद पैदा करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राठौर ने पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर सवाल उठाए और राष्ट्र विरोधी बयान दिए, जिससे शांति और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। शिकायतकर्ता के हवाले से कहा गया है कि गायिका के बयान पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जहां मीडिया द्वारा उनका इस्तेमाल भारत विरोधी प्रचार के लिए किया जा रहा है।

शिकायत के आधार पर हजरतगंज पुलिस ने बताया कि लोक गायिका के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत कई आरोपों में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें सांप्रदायिक दुश्मनी को बढ़ावा देने, सार्वजनिक शांति को भंग करने और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने का प्रयास करना शामिल है। साथ ही, उन पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस में स्पष्ट रूप से राजद्रोह का उल्लेख नहीं किया गया है, जैसा कि औपनिवेशिक युग के भादंसं की धारा 124ए में इसका उल्लेख था, लेकिन नई आपराधिक संहिता की धारा 152 देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने के समान आरोपों से निपटती है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद राठौर ने फेसबुक और 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, पहलगाम हमले के जवाब में अब तक सरकार ने क्या किया है? मेरे ऊपर प्राथमिकी दर्ज कराई है? सरकार मेरे ऊपर प्राथमिकी दर्ज करवाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है।

बहराइच के मदरसे में दसवीं का एक भी छात्र अंग्रेजी में नहीं लिख पाया अपना नाम, नोटिस जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिला मुख्यालय के एक मदरसे में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के निरीक्षण में दसवीं कक्षा के एक भी छात्र के अंग्रेजी में अपना नाम नहीं लिख पाने के बाद विभाग ने संचालक को चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार को बड़ी तकिया में मान्यता प्राप्त मदरसा जामिया गाजिया सैयदुलुलुम का औचक निरीक्षण किया गया और इस दौरान एक अध्यापक अनुपस्थित मिले, लेकिन रजिस्टर में उसकी गैरहाजिरी दर्ज नहीं थी। उन्होंने बताया कि मुंशी, मौलवी और आलिम की कक्षाओं में भी बच्चों की संख्या पंजीकरण के सापेक्ष बहुत कम थी। मिश्र ने दावा किया कि निरीक्षण के दौरान दसवीं कक्षा के छात्रों से अंग्रेजी में अपना नाम और मदरसे का नाम लिखने को कहा गया लेकिन एक भी छात्र ऐसा नहीं कर पाया।

'लोग टी20 क्रिकेट में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दिग्गज विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में साझेदारी बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका महत्व उन पिचों पर और बढ़ जाता है जहां बड़ा स्कोर बनाना संभव नहीं होता है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में पिचें धीमी रही हैं, जिससे बल्लेबाजों को क्रीज पर आते ही आक्रामक रवैया अपनाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच रविवार को यहां खेले गये मैच में हालांकि कोहली और लोकेश राहुल ने दिखाया कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से कैसे निपटा जाना चाहिये।

कोहली ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल की 10 पारियों में अपना छठा अर्धशतक लगाया, जिससे आरसीबी ने मौजूदा सत्र में घरेलू मैदान से बाहर अपना अजेय क्रम जारी रखा है।

कोहली ने दिल्ली पर छह विकेट की जीत के बाद प्रसारकों से कहा, '' इस पिच को

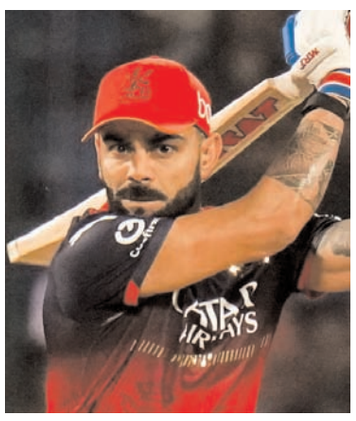

देखते हुए यह एक बेहतरीन जीत थी। हमने यहां कुछ मैच देखे और यह विकेट उन मैचों की तुलना में अलग था। जब भी कोई लक्ष्य का पीछा करता है, तो मैं डगआउट से नजर रखता हूं कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे है या नहीं। ''

आसीबी ने जीत के लिए 163 रन का पीछा करते हुए 26 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे लेकिन कोहली (51) ने कृणाल पंड्या (नाबाद 73) के साथ चौथे विकेट के लिये 84 गेंद में 119 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। कोहली ने अपनी बल्लेबाजी के बारे में कहा कि वह परिस्थितियों का आकलन कर उसके अनुसार खेल की अपनी शैली में बदलाव करते हैं।

कोहली से जब पूछा गया कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह किस तरह से योजना बनाते है तो उन्होंने कहा, '' मैं देखता हूं कि टीम को कितना स्कोर करना है, परिस्थितियां कैसी हैं। कौन से गेंदबाज गेंदबाजी करने वाले हैं। कौन से गेंदबाज हैं जिनके खिलाफ रन बनाना मुश्किल हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कोशिश करता हूं कि मैं दौड़कर एक और दो रन लेते रहूं ताकि स्कोर बोर्ड पर रुकावट नहीं आये। लोग इस प्रारूप में साझेदारी के महत्व को भूल रहे हैं और इस टूर्नामेंट में साझेदारी और गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश का अच्छा परिणाम मिल रहा है।''

कृणाल अपनी पारी की शुरुआत में संघर्ष कर रहे थे लेकिन पिच और परिस्थितियों से तालमेल कायम करने के बाद नौ वर्षों में अपना पहला अर्धशतक लगाने में सफल रहे।

कोहली ने कहा, ''कृणाल ने शानदार प्रदर्शन किया। उसके पास मैच पर अपना प्रभाव छोड़ने की क्षमता है और यह सही समय था। हम लगातार बातचीत कर रहे थे जिसमें कृणाल मुझे क्रीज पर डटे रहने का सुझाव दे रहा था। वह इस दौरान अपने मौके का फायदा उठाता रहा।'' कोहली के आउट होने के बाद टिम डेविड ने सिर्फ पांच गेंदों पर 19 रन बनाकर टीम को नौ गेंद शेष रहते जीत दिला दी। टीम के आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाजों के बारे में पूछे जाने पर कोहली ने कहा, ''हमारे पास टिम डेविड के रूप में अतिरिक्त ताकत है, साथ ही जितेश (शर्मा) भी है। पारी के अंत में उनकी ताकत निश्चित रूप से आपकी मदद करती है। टीम में अब रोमारियो (शेपर्ड) का भी विकल्प है।'' उन्होंने कृणाल और सुयश शर्मा की स्पिन जोड़ी की भी प्रशंसा की।

कोहली ने कहा, '' जोश हेजलवुड और भुवी (भुवनेश्वर कुमार) विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, यही कारण है कि जोश के पास पर्पल कैप है।'' उन्होंने कहा, ''कृणाल जिस तरह से अपनी गति में विविधता लाया, वह लाजवाब था। सुयश को ज्यादा विकेट नहीं मिले है लेकिन वह हमारे लिए छुपे रुस्तम रहे हैं हमारे स्पिनर बीच के ओवरों में लगातार आक्रमण करते रहते हैं।''

ओडिशा सरकार विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से जारी राशन कार्ड रद्द करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य में विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से जारी राशन कार्ड को रद्द करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह कदम हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में ओडिशा के एक निवासी सहित 26 लोगों की मौत के बाद उठाया गया है। राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री के.सी. पात्रा ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और बर्मा (म्यांमा) के नागरिकों के राशन कार्ड तत्काल रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं।

पात्रा ने कहा, आतंकवादी हमले के बाद हमने अपना रुख कड़ा कर लिया है। राज्य भर में रहने वाले विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकों के लिए निर्धारित लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि विदेशी नागरिक मुख्यतः बालासोर, केंद्रापाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों में रह रहे हैं। अब तक राज्य में 11 पाकिस्तानी और 3,738 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है। गृह विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य में रह रहे बर्मा (म्यांमा) के नागरिकों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। राज्य के पुलिस महानिदेशक वाई.बी. खुरानिया ने बताया कि अब तक एक पाकिस्तानी नागरिक राज्य से बाहर चला गया है, हालांकि 12 ऐसे लोगों को निर्वासन नोटिस जारी किए गए हैं। राज्य में 30 साल से अधिक समय से और अपने परिवारों के साथ रह रहे अन्य लोगों के बारे में पूछे जाने पर खुरानिया ने कहा, हम गृह मंत्रालय के अगले निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। कुछ लोगों के पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और कुछ अपने एलटीवी के नवीनीकरण का इंतजार कर रहे हैं। राज्य गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार काम करेगा। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि राज्य ने केंद्र को स्थिति के बारे में सूचित कर दिया है, लेकिन अंतिम निर्णय गृह मंत्रालय को लेना है।

सुविचार

दुनिया से धोखा मिलने के बाद ही, लोगों को अपने परिवार पर भरोसा होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुष्प्रचार की दुकानों पर ताला

भारत सरकार ने भ्रामक, झूठी और भड़काऊ सामग्री का प्रसारण करने वाले लगभग डेढ़ दर्जन पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाकर दुष्प्रचार की दुकानों पर ताला लगा दिया है। ये चैनल भारतीय दर्शकों के कारण चल रहे थे और डॉलर में मोटी कमाई कर रहे थे। इनमें से कुछ चैनल तो भारत के खिलाफ खुलकर नफरत का इज़हार कर रहे थे। वहीं, कई चैनल साजिश के तहत भारत की खूब तारीफ कर रहे थे। उनके कथित रिपोर्टर जनता के बीच जाकर पाकिस्तान की सरकार, फौज और एजेंसियों के बारे में सख्त सवाल करते और भारत की तारीफों के पुल बांधते। इसके बाद वे 'सही-सलामत' लौट आते! ऐसा एक बार नहीं, सैकड़ों बार हुआ। क्या इससे शक पैदा नहीं होता? जिस देश में हर टीवी चैनल के बाहर खुफिया एजेंसियों के वाहन चक्कर लगाते रहते हैं, फौज के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को गायब कर दिया जाता है, वहां ये यूट्यूबर आज़ाद घूम रहे थे! ऐसा कैसे संभव है? वास्तव में ये कोई और नहीं, बल्कि आईएसआई की कठपुतली थे। इन्हें बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ाया जा रहा था। इन यूट्यूब चैनलों के जरिए आईएसआई खास तरह के प्रयोग कर रही थी। भारत में कई लोग इतने दरियादिल हैं कि वे खुद इन चैनलों पर चर्चा में भाग लेने के लिए लालायित रहते थे। उनसे कभी आलू-भिंडी के भाव पूछे जाते, कभी बिजली के बिल के बारे में जानकारी ली जाती, कभी आस-पास के इलाकों को दिखाने का आग्रह किया जाता। इस जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है।

इस्लामाबाद में रहने वाली एक कथित पत्रकार ने भारतीय दर्शकों की आंखों में खूब धूल झोंकी। उसके लाइव कार्यक्रम में एक और 'पत्रकार' प्रकट होता था। दोनों ही भारत की तारीफ करने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। एक दिन दोनों का पर्दाफाश हो गया। असल में वे पति-पत्नी हैं और एक ही घर के अलग-अलग कमरों में बैठकर यूट्यूब लाइव में भाग लेते थे। पिछले कुछ वर्षों में दोनों ने भारत में लाखों प्रशंसक बना लिए। उस महिला पत्रकार के पति के हावभाव, बैठने के तरीके आदि पर गौर करें तो शक होता है कि वह पाकिस्तानी फौज में कोई अधिकारी है, जो भारतप्रेमी होने का ढोंग कर रहा है। सवाल है- इन पाकिस्तानी यूट्यूबरों को इतना बड़ा किसने बनाया कि ये हमारी भावनाओं से खेल सकते हैं और मौका लगने पर फर्जी खबरें भी चला सकते हैं? जवाब है- भारत के करोड़ों नागरिकों और कुछ टीवी चैनलों ने। अगर हम पहले ही सतर्क हो जाते तो ये इतने बड़े नहीं बन पाते। जिन्हें लाहौर, कराची, इस्लामाबाद, पेशावर जैसे शहरों में सौ लोग नहीं जानते थे, उन्हें कुछ भारतीय चैनलों ने 'पाकिस्तान के मशहूर पत्रकार', 'रक्षा विशेषज्ञ' बना दिया। पाकिस्तान के एक चर्चित टिप्पणीकार, जो आए दिन अपने मुल्क की फौज को आड़े हाथों लेते रहते हैं, के बारे में कुछ साल पहले खुलासा हुआ कि उन्होंने अपनी बेटी को फौज की दुष्प्रचार शाखा 'आईएसपीआर' से पत्रकारिता का प्रशिक्षण दिलाया था। उसके बाद उनकी पोल खुलने लगी। दरअसल उन्हें फौज ने ही आगे बढ़ाया था। वे टीवी चैनलों पर आकर जो कुछ कहते, उसकी स्क्रिप्ट रावलपिंडी से आती थी। भारत में भी हजारों लोग उन्हें फॉलो करते हैं। इस तरह ये कथित यूट्यूबर, पत्रकार, टिप्पणीकार एक ओर तो समृद्ध होते जा रहे हैं, दूसरी ओर हमारे दुश्मन के एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत सरकार को प्रतिबंधों का चाबुक ऐसे कई चैनलों पर चलाने की जरूरत है। कपट का धंधा करने वाले ये चैनल जितनी जल्दी गायब हो जाएं, उतना अच्छा है।

ट्वीटर टॉक

आजनागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विमानन सुविधाओं के उन्नयन एवं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित किया।

-भजनलाल शर्मा

पूर्व मंत्री महेश जोशी जी की पत्नी श्रीमती कौशल देवी जोशी जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं जोशी परिवार को यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

उपयोगिता

एक राजा था। उसने आज्ञा दी कि संसार में इस बात की खोज की जाय कि कौन से जीव-जंतु निरुपयोगी हैं। बहुत दिनों तक खोज बीन करने के बाद उसे जानकारी मिली कि संसार में दो जीव जंगली मक्खी और मकड़ी बिल्कुल बेकार हैं। राजा ने सोचा, क्यों न जंगली मक्खियों और मकड़ियों को ख़त्म कर दिया जाए।

इसी बीच उस राजा पर एक अन्य शक्तिशाली राजा ने आक्रमण कर दिया, जिसमें राजा हार गया और जान बचाने के लिए राजपाट छोड़ कर जंगल में चला गया। शत्रु के सैनिक उसका पीछा करने लगे। काफ़ी दौड़-भाग के बाद राजा ने अपनी जान बचाई और थक कर एक पेड़ के नीचे सो गया। तभी एक जंगली मक्खी ने उसकी नाक पर डंक मारा जिससे राजा की नींद खुल गई। उसे ख़याल आया कि खुले में ऐसे सोना सुरक्षित नहीं और वह एक गुफ़ा में जा छिपा। राजा के गुफ़ा में जाने के बाद मकड़ियों ने गुफ़ा के द्वार पर जाला बुन दिया।

शत्रु के सैनिक उसे ढूँढ ही रहे थे। जब वे गुफ़ा के पास पहुँचे तो द्वार पर घना जाला देख कर आपस में कहने लगे, अरे! चलो आगे। इस गुफ़ा में वह आया होता तो द्वार पर बना यह जाला क्या नष्ट न हो जाता।

गुफ़ा में छिपा बैठा राजा ये बातें सुन रहा था। शत्रु के सैनिक आगे निकल गए। उस समय राजा की समझ में यह बात आई कि संसार में कोई भी प्राणी या चीज़ बेकार नहीं। अगर जंगली मक्खी और मकड़ी न होतीं तो उसकी जान न बच पाती। इस संसार में कोई भी चीज़ या प्राणी बेकार नहीं। हर एक की कहीं न कहीं उपयोगिता है।

सामयिक

अक्षय तृतीया : जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाने का पर्व

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि जिसे अक्षय तृतीया या आखा तीज कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है। यह अक्षय तृतीया का नाम 'अक्षय' शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जो कभी नष्ट न हो' या 'शाश्वत'। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कृत्यों को अक्षय फलदायी माना जाता है। यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं में भी इसका विशेष स्थान है। भारत की विभिन्न धार्मिक और सामाजिक परम्पराओं में अक्षय तृतीया का बहुत महत्व है।

हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया का दिन कई पौराणिक और धार्मिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। इस दिन को सतयुग और त्रेतायुग के प्रारंभ का दिन भी माना जाता है। इसके अतिरिक्त, इस तिथि से जुड़े कई कथानक और मान्यताएँ इसे और भी पवित्र बनाती हैं। अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम जी के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। परशुराम, जो अपने पराक्रम और धर्म की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु के नर-नारायण अवतार की तपस्या भी अक्षय तृतीया के दिन से जुड़ी है। इस दिन बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलते हैं, जो हिन्दुओं के चार धामों में से एक है। यह घटना इस पर्व को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

ऐसा माना जाता है कि महर्षि वेदव्यास ने महाभारत की रचना अक्षय तृतीया के दिन से शुरू की थी। इसके साथ ही, इस दिन गंगा नदी का पृथ्वी पर अवतरण भी हुआ था। इसलिए, इस दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व है। एक अन्य कथा के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा का आतिथ्य स्वीकार किया था। सुदामा ने श्रीकृष्ण को साधारण चावल (अक्षत) भेंट किए, जिसे भगवान ने बड़े प्रेम से ग्रहण किया और सुदामा को अपार धन-समृद्धि प्रदान की। इस कथा के कारण, अक्षय तृतीया को दान और आतिथ्य का विशेष महत्व दिया जाता है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया का दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष तक कठोर तपस्या की और इस दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस ने उन्हें इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाकर उनका पारणा (उपवास खोलना) कराया। यह घटना जैन समुदाय में 'वर्षी तप' के रूप में जानी जाती है। इस दिन जैन तीर्थ पालिताणा (गुजरात) और हस्तिनापुर (मेरठ) में विशेष आयोजन होते है। जैन धर्म के अनुयायी उपवास, दान, और पूजा करते हैं। कई जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं, और भक्त इक्षु रस का दान करते हैं।

अक्षय तृतीया का दिन शुभ कार्यों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। इस दिन बिना किसी मुहूर्त के विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नए व्यवसाय की शुरुआत, और अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन शुरू किए गए कार्यों का फल स्थायी और शुभ होता है। भारत के कई हिस्सों में, विशेषकर राजस्थान, गुजरात, और उत्तर प्रदेश में, अक्षय तृतीया को विवाह के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन हजारों जोड़े विवाह बंधन में बंधते हैं। सामाजिक स्तर पर, यह दिन परिवारों और समुदायों को एकजुट करने का अवसर प्रदान करता है।

व्यापारी वर्ग के लिए अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। इस दिन नए व्यवसाय की शुरुआत, दुकान का उद्घाटन, और निवेश जैसे कार्य किए जाते हैं। सोने और चाँदी की खरीदारी भी इस दिन बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि यह धन-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अक्षय तृतीया को दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन जल, अन्न, वस्त्र, और धन का दान करने की परम्परा है। सामाजिक दृष्टिकोण से, यह दिन समाज में समानता और सहायता की भावना को बढ़ावा देता है। गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ दान की जाती हैं।

अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है, जो धार्मिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दिन न केवल भक्ति और पूजा का अवसर प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक एकता, परोपकार, और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हिन्दू, जैन, और अन्य समुदायों में इस पर्व का अलग-अलग रूपों में उत्सव मनाया जाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। चाहे वह भगवान परशुराम की पूजा हो, सुदामा-कृष्ण की मित्रता का स्मरण हो, या जैन धर्म में वर्षी तप का आयोजन, अक्षय तृतीया हर रूप में अक्षय फलदायी है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सच्चे मन से किए गए कार्य और दान कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि वे हमारे जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाते हैं।

बोध कथा

परमात्मा की आवाज

एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गए वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए पानी मांगा उस व्यक्ति ने उन्हें पानी पिलाया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आए हैं लेकिन चूँकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी देकर कहा तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही होगा, लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनटा उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार

जाए। इसी तरह वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पैन उठाया यमराज ने उसके हाथों से डायरी ले ली और कहा वत्स! तुम्हारा 5 मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपना पूरा समय दूसरों का बुरा करने में निकाल दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया। अतः तुम्हारा अन्त निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा समय निकल चुका था। अब उसके पास सिवाए पछतावे के अलावा कुछ नहीं था। यही स्थिति आज समाज में ज्यादातर लोगों की है। आज दुख का कारण यही है कि व्यक्ति अपने अवगुणों, बुराइयों, कमी-कमजोरियों को देखने के बजाय दूसरों के अवगुणों को देखने में ही लगा रहता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। इसलिए जितना हो सके अपना समय परमात्मा के ध्यान, परमात्म ज्ञान को जीवन में उतारने और खुद को महान, श्रेष्ठ बनाने में लगाएं। सदा अपना निरीक्षण करते हैं और कमियों को दूर करते रहें।

नजरिया

पहलगाम के आगे

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस, वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है, कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौटा है। ऐसे माहौल में हिंदू होने के कारण 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम का उनका विरोध करने के कारण हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय माने जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी के साथ उने सरपरस्तों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। बिहार की भूमि पर उन्होंने कुछ मिनट अंग्रेजी में भाषण दिया जो विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। इस भाषण से दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया गया और इसका असर भी है ।

कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशो ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देश के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है ऐसा लगता नहीं। प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं?

घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद्द करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद्द करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौता को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्काई न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण , प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झूठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबाड़ी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे।

देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी किया जा चुका है तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी जो हो रही है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी सहित सहयोग करने वाले संलिप्त नौ लोगों का घर ध्वस्त कर दिया गया। यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। जम्मू कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदल है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और छोटे-मोटे धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार जिले - जिले में विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी आतंकवाद की समर्थक और पाकिस्तान के प्रति नरम रुख वालीको भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था उसके विपरीत ये दृश्य बदलाव के संदेश हैं।

थोड़ी गहराई से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पार सैन्य कार्रवाई को छोड़कर जितने कदम उठाए जा सकते थे लगभग भारत ने उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है। सिंधु जल संधि पर भारत ने 25 अप्रैल को स्पष्ट किया कि वह एक-एक बूंद पानी रोकेगा और उसके लिए तात्कालीक , मध्यवर्ती और दीर्घकालिक उपाय के संकेत दिए गए। यह काफी हद तक संभव है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का पहला दौरा हुआ जहां उन्होंने दो प्रमुख सैन्य मुख्यालयों विक्टर फोर्स और चिनार कोड में वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की तथा नियंत्रण रेखा पर सीमा पार से हुई गोलीबारी को भी समझा। पहले सेना अध्यक्ष और उसके बाद के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले। सैन्य कार्रवाई या युद्ध के पहले तैयारी करनी होती है। सेना को लक्ष्य दिया जाता है और उसके अनुरूप रणनीति बनाते हुए संघर्ष करती है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में जैसा बाद में जनरल मानेक शा ने बताया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें मई-जून में सैन्य कार्रवाई के लिए कहा। मानेक शा ने तैयारी के लिए लगभग 6 महीने का समय लिया और दिसंबर में भारत ने सैन्य हस्तक्षेप किया।

यह समझना होगा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर ने 17 अप्रैल के अपने भाषण में न केवल पाकिस्तान सेना, वहां के सुरक्षा बल और आतंकवादी बल्कि आम मुसलमान को भी जेहाद के लिए पूरी तरह उकसाया है। ये सच मायने नहीं रखने कि आसिफ मुनीर सेना में अपने विरुद्ध असंतोष, इमरान खान की पार्टी को नियंत्रित करने, अफगानिस्तान के साथ तनाव का सफलतापूर्वक सामना करने एवं देश के अंदर सेना पर भ्रष्टाचार , काहिली, विफलता और अय्याशी के लग रहे आरोपों का खंडन करने में विफल साबित हुए हैं। आतंकवाद के हथियार से संघर्ष करने के लिए राजनीतिक - आर्थिक स्थिरता तथा शक्तिशाली होना आवश्यक नहीं। पाकिस्तान की विचारधारा से जुड़े मुसलमानों के एक समूह के अंदर भी जम्मू कश्मीर को इस्लामी जेहाद का भाग बनाने की भावना पैदा है तो उससे केवल परंपरागत सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह नहीं निपटा जा सकता। पाकिस्तान ने न्यूक्लियर हथियार का हवाला दिया है। मोदी सरकार की पहले की दो कार्रवाइयों से पाकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी की हवा निकाल चुकी है। तो निश्चित मानिए पाकिस्तान के विरुद्ध बहुपक्षीय निर्णायक कार्रवाई शुरू हो गई है। लेकिन अपने देश के अंदर प्रभावी इकोसिस्टम अभी से सरकार ही नहीं संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के विरुद्ध नैरेटिव खड़ा करने में लगा है उसका भी प्रभावी रूप से सामना करना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने के लिए तैयारियां जारी : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि गर्मी के इस मौसम में भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर आरंभ करने के लिए दोनों देशों के बीच तैयारियां चल रही हैं। करीब पांच साल के अंतराल के बाद यह यात्रा फिर शुरू की जाएगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि चीन के तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में कैलाश पर्वत और मानसरोवर की भारतीय श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

चीन और भारत के बीच बनी सहमति के अनुरूप, गर्मी के इस मौसम में तीर्थयात्रा फिर शुरू की जाएगी। गुओ ने कहा कि दोनों पक्ष इस समय जरूरी तैयारियां करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन-भारत राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों के सुदृढ़ और स्थिर विकास को बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि यह यात्रा जून से अगस्त तक दो मार्गों - उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला - के रास्ते होगी। यह तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। विदेश मंत्रालय ने 26 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि इस वर्ष, उत्तराखंड राज्य से लिपुलेख दर्रे और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए क्रमश: पांच जत्थों और 10 जत्थों (प्रत्येक में 50 श्रद्धालु) में तीर्थयात्री यात्रा करेंगे। कोविड-19 महामारी और उसके बाद पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण 2020 में यात्रा स्थगित कर दी गई थी। भारत और चीन ने पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग में टकराव वाले दो स्थानों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी।

इसके बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रूसी शहर कजान में वार्ता की तथा विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों को बहाल करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और शी की वार्ता के बाद पिछले कुछ महीनों में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के उद्देश्य से कई बैठकें कीं।

रैली

भारतीय समुदाय के सदस्य पेरिस में एफिल टॉवर के सामने पाकिस्तान और पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ विरोध रैली निकाली।

बीएसएफ कश्मीर ने दुबे के सम्मान में किया 'ग्राउंड जीरो' का प्रीमियर

कश्मीर/एजेन्सी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' का खास प्रीमियर बीएसएफ के रिटायर्ड डीआईजी नरेंद्र नाथ धर दुबे को सम्मान देने के लिये आयोजित किया। सच्ची घटना पर बनी फिल्म ग्राउंड जीरो में बीएसएफ के पिछले 50 सालों की सबसे बड़ी ऑपरेशन की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों मे रिलीज हुयी है। इस बीच बीएसएफ कश्मीर ने इस फिल्म का एक खास प्रीमियर नरेंद्र नाथ धर दुबे के लिये रखा। बीएसएफ कश्मीर ने सोशल मीडिया पर इवेंट की कुछ झलकियां शेयर करते हुए लिखा, शौर्य और बलिदान को सलाम, बीएसएफ कश्मीर ने असली हीरो श्री एन एन डी दुबे (रिटायर्ड डीआईजी) के साथ 'ग्राउंड जीरो' का खास प्रीमियर होस्ट किया। अफसरों, एसओज़, जवानों और उनके परिवारों ने इसमें शिरकत की।

ये बहादुरी का जश्न मनाने वाला गर्व भरा पल था। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो, को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन तेजस देवस्कर ने किया है। वहीं, कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स हैं। फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी एक दमदार नए अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे का किरदार निभाया है।

चीन ने पहलगाम हमले की 'शीघ्र और निष्पक्ष जांच' का आह्वान किया, पाक की संप्रभुता का समर्थन किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि वह भारत एवं पाकिस्तान के बीच वर्तमान स्थिति को सामान्य करने के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले की ''त्वरित एवं निष्पक्ष जांच'' समेत सभी उपायों का स्वागत करता है। हालांकि उसने अपने सदाबहार मित्र देश पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसका समर्थन किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, ''चीन मौजूदा स्थिति को शांत करने में मददगार सभी उपायों का स्वागत करता है तथा शीघ्र ही निष्पक्ष एवं न्यायसंगत जांच का समर्थन करता है।'' हालांकि, उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया कि क्या चीन इस जांच में हिस्सा लेगा जैसा कि रूसी मीडिया ने खबर दी कि पाकिस्तान चाहता है कि चीन और रूस पहलगाम हमले की जांच का हिस्सा बनें। उन्होंने किसी भी जांच की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के बारे में पूछे गए एक अन्य प्रश्न को भी टाल दिया, क्योंकि पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करने के आरोप हैं।

साइबर हमलों में एआई का इस्तेमाल बढ़ा, सुरक्षा रणनीति पर पुनर्विचार जरूरी : कैस्परस्की

सिंगापुर/भाषा। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूजीन कैस्परस्की ने आगाह किया है कि साइबर अपराधी कृत्रिम मेधा (एआई) की क्षमताओं का इतना तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं कि साइबर सुरक्षा में लगे लोग उनसे पीछे रह जा रहे हैं। इसके साथ ही कैस्परस्की ने डिजिटल सुरक्षा रणनीतियों पर मौलिक रूप से पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की के संस्थापक यूजीन कैस्परस्की ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा कि साइबर अपराधी न केवल हमलों को स्वचालित करने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि अभूतपूर्व सहयोग और तत्परता दिखाते हुए बचाव करने वालों से आगे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीपफेक और एआई-संचालित सोशल इंजीनियरिंग अब इतने उन्नत हो गए हैं कि किसी भी कॉलर पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, एआई बुरे लोगों के हाथों में है। और असलियत यह है कि वे इसका अधिक से अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। कैस्परस्की ने वर्तमान समय को 'साइबर विध्वंस का युग' बताते हुए कहा कि भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमले अब रोजमर्रा की बात हैं। उन्होंने कहा, यह भविष्य की बात नहीं है, असलियत है। साइबर विध्वंस और आतंकवाद अब नियमित रूप से महत्वपूर्ण प्रणालियों को पंगु बना रहे हैं या नष्ट कर रहे हैं और ये घटनाएं शायद ही सुर्खियां बनती हैं। कैस्परस्की ने भू-राजनीतिक विभाजन के कारण साइबर जगत के खंडित होने और साइबर अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग में बाधा आने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, साइबर जगत में कोई सीमा नहीं है। इसलिए, दुर्भाग्य से, बुरे लोग कहीं भी, किसी भी पीड़ित पर हमला करने के लिए स्वतंत्र महसूस करते हैं... कई देशों के बीच अब कोई सहयोग नहीं है। दुर्भाग्य से यही हकीकत है।

कैस्परस्की ने कहा कि पेशेवर हैकर परिष्कृत हमलावर कोड विकसित करने और हमलों को अनुकूलित करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, साइबर सुरक्षा कंपनियां ग्राहकों की सुरक्षा के लिए एआई का इस्तेमाल विसंगतियों का पता लगाने और फर्जी कोड के विश्लेषण में कर रही हैं। ऐसे में चुनौती लगातार विरोधियों से आगे रहने की है। कैस्परस्की ने साइबर हमले से बचाव करने वालों को नए मानक अपनाने, लचीलेपन को प्राथमिकता देने और एआई-संचालित हमलों के लिए तैयार रहने का सुझाव दिया। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया, क्योंकि हमलावर इनका तेजी से शोषण कर रहे हैं।

अभिनेत्री मौनी रॉय सोमवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचीं।

'सुस्वागतम खुशामदीद' का नया गया 'बन पिया' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फ पुलकित सम्राट पिछले काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसमें उनकी जोड़ी कैटरीना कैफ की छोटी बहन इसाबेल कैफ के साथ बनी है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं। उत्सुकता के लेवल को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'बन पिया' रिलीज कर दिया है। गाना काफी शानदार है, फैंस इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं। नए गाने 'बन पिया' में अरमान मलिक, ध्वनि भानुशाली, अमोल श्रीवास्तव और अभिषेक टैलेंटेड ने अपनी आवाज दी है। वहीं म्यूजिक अमोल-अभिषेक की जोड़ी ने तैयार किया है। गाने में हल्की-फुल्की त्योहारों जैसी फीलिंग है, जो सीधा दिल को छू जाएगी। इस गाने को गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। गाना एनर्जी और मस्ती से भरपूर है। गाने में पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की केमिस्ट्री साफ देखने को मिल रही है। उनका मस्ती भरा अंदाज फिल्म के 'सीमाओं से परे प्यार' के थीम को खूबसूरती से दर्शाता है।

गाने के बारे में बात करते हुए, डायरेक्टर धीरज कुमारन ने कहा, ''यह सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि फिल्म की भावना है। पुलकित और इसाबेल गाने में पॉजिटिव एनर्जी और फ्रेशनेस लेकर आए हैं। हमने गाने को इस तरह से शूट किया है, ताकि यह ऐसा लगे जैसे अलग-अलग संस्कृतियां एक साथ मिलकर जश्न मना रही हों। यह गाना फिल्म की जान है।''

वहीं कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कहा, ''गाने को कोरियोग्राफ करना, डांस स्टेप्स बनाना काफी मजेदार अनुभव रहा। मेरा मकसद था कि डांस भी गाने की तरह ही त्योहार जैसा जोशीला और एनर्जी भरा महसूस हो। पुलकित और इसाबेल की केमिस्ट्री ने ऐसा ही कर दिखाया। उनका आपसी तालमेल कमाल का था। गाने को बहुत बड़े लेवल पर शूट किया गया ताकि फिल्म के जश्न वाले माहौल को अच्छे से दिखाया जा सके। 'सुस्वागतम खुशामदीद' का निर्माण शरवन कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज कुमार, दीपक धर, अजान अली और सुनील राव ने मिलकर किया है। इस फिल्म के जरिए इसाबेल बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू कर रही हैं। गाने से पहले फिल्म का टीजर जारी किया गया था।

फिल्म में पुलकित हिंदू लड़के अमन का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, इसाबेल मुस्लिम लड़की नूर के किरदार में हैं। पुलकित और इसाबेल के अलावा फिल्म में साहिल वैद, प्रियंका सिंह, दिवंगत ऋतुराज सिंह, मेघना मलिक और अरुण बाली जैसे बेहतरीन कलाकार अहम किरदार में होंगे। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

जांच

अमृतसर के पास सुरक्षा जांच के दौरान अटारी-वाघा सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट पर पाकिस्तानी नागरिकों के पासपोर्ट की जांच करता एक बीएसएफ कर्मी।

दुनिया भर में बढ़ रही भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता : नानी

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सफल अभिनेता नानी अपनी अपकमिंग फिल्म 'हिट: द थर्ड केस' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। अभिनेता ने दुनिया भर में बढ़ते भारतीय सिनेमा के प्रभुत्व के बारे में बात करते हुए कहा, हम अभी उस जनरेशन में हैं और इन सब के कारण, हमारे देश में शानदार फिल्में आ रही हैं। 'आरआरआर' ऑस्कर में गई और इस तरह की अन्य फिल्मों को भी काफी पसंद किया गया। मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बड़ा सोचने, बड़े सपने देखने, बड़ी कल्पना करने और हर चीज के स्वागत करने का समय है।

उन्होंने आगे कहा, यह पॉजिटिव बात है और मुझे उन फिल्मों पर गर्व है, जो रिलीज हो चुकी हैं। मैं उन सभी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जो जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। इसके साथ ही अभिनेता ने सोशल मीडिया के सिनेमा पर पड़ने वाले असर पर भी खुलकर बात की। नानी ने बताया, हम ऐसे युग में हैं, जहां एक अच्छी फिल्म बनाने के बाद लोगों तक उसकी बात पहुंचाने के लिए ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। हमारे पास सोशल मीडिया है, हमारे पास लोगों तक पहुंचने के लिए कई तरह के साधन हैं। अगर देश के एक कोने में कोई अच्छी फिल्म आती है, तो देश के दूसरे कोने में दो दिन में ही इसकी जानकारी पहुंच जाती है।

नानी फिल्म में एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जिसका नाम अर्जुन सरकार है। सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण प्रशांति टिपिरनेनी ने किया है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी के साथ अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

अंगद बेदी को मिला एक्सरसाइज के लिए नया साथी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अंगद बेदी घर पर योग सीजन का आनंद लेते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर शेयर लेटेस्ट वीडियो में उनके साथ नया साथी भी नजर आया। वह अपनी लाडली मेहर के साथ एक्सरसाइज करते नजर आए। सोशल मीडिया पर शेयर प्यारे वीडियो पर उनके फैंस के साथ फिल्म जगत के सितारे भी प्यार लुटाते नजर आए। इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किए गए वीडियो में वे योगासन करते नजर आए, जबकि नन्हीं मेहर उन्हें फॉलो करती दिखी। एक्सरसाइज पार्टनर के रूप में पिता और बेटी की जोड़ी बेहद प्यारी लग रही है। अंगद ने अपने फैंस से आग्रह करते हुए कहा कि यदि उनके हाथ और पैर ठीक से काम कर रहे हैं तो उन्हें आभारी होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने की भी बात कही। लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, हाथ-पैर चल रहे हैं तो खुश रहो, सुखी रहो। लड़ाई से केवल दुश्मनी ही जीतती है। परिवार के साथ समय बिताएं और सुखद यादें बनाएं। सब कुछ यहीं रह जाएगा, कहां ले जाओगे।

अंगद की पत्नी, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पापा की बेबी डॉल। सबा पटौदी ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ अपने जज्बात व्यक्त किए। बता दें कि अंगद और नेहा ने मई 2018 में शादी की थी। अंगद की पहली मुलाकात नेहा से जिम में उस समय हुई थी जब वह दिल्ली में अंडर-19 खेल रहे थे और नेहा मिस इंडिया पेजेंट की तैयारी कर रही थीं। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर दोनों ने लंबे समय तक एक-दूजे के साथ रहने के बाद शादी कर ली। जोड़े को दो बच्चे हैं। बेटी का नाम मेहर और बेटे का नाम गुरिक है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अंगद पिछली बार टॉलीवुड फिल्म 'हाय नन्ना' में नेचुरल स्टार नानी और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ नजर आए थे।

केजीएफ में 'शोपीस' बनने से कोई गुरेज नहीं, ये फिल्म मेरा सपना थी : श्रीनिधि शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण फिल्मों की अदाकारा श्रीनिधि शेट्टी का कहना है कि उन्हें 2018 में आई उनकी पहली फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 1' में 'शोपीस' कहलाने से कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि उन्हें शुरू से ही सुपरहिट कन्नड़ फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में पता था। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'केजीएफ' फिल्म में श्रीनिधि ने मुख्य अभिनेता यश (विशाल रॉकी) के विपरीत जिद्दी रीना देसाई की भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्माण 'होम्बले फिल्म्स' ने किया था। श्रीनिधि शेट्टी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बताया, मुझे 'केजीएफ' में 'शोपीस' बनने में कोई दिक्कत नहीं थी, क्योंकि जब इस फिल्म की कहानी मेरे पास आई तो यह मेरे लिए एक सपने की तरह थी। जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे पता था कि मेरी भूमिका केवल इतनी ही है, लेकिन मैं इसे करना चाहती थी, मैं चाहती था कि मेरी पहली फिल्म ऐसी हो। लेकिन फिर से, यह एक व्यक्तिगत पसंद है। कुछ लोग 'शोपीस' बनना पसंद करेंगे, कुछ लोग नहीं। उन्होंने कहा, अब, अगर आप मुझसे पूछें, क्या आप अगली कुछ फिल्मों में 'शोपीस' बनना चाहेंगी? मैं अपना समय लूंगी और सोचूंगी कि मैं चाहती हूं या नहीं। मैं देखूंगी कि कौन (फिल्म) कर रहा है, 'शोपीस' कितना (महत्वपूर्ण) है। पहली वाली मेरी पसंदीदा थी। लेकिन, इसमें कुछ भी बुरा, सही, गलत आदि नहीं है। यह ठीक है, इसकी तुलना नहीं की जा सकती। श्रीनिधि (32) ने अपनी लोकप्रियता का श्रेय 'केजीएफ' फिल्मों को दिया। उन्होंने कहा, मुझे जितनी प्रसिद्धि या प्यार मिला है, वह 'केजीएफ' की वजह से है, इसमें कोई दो राय नहीं है।

मौनी रॉय को किया गया सम्मानित

कोलकाता/एजेन्सी

प्राइड ऑफ बंगाल अवॉर्ड्स भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल और यंग लीडर्स फोरम द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित पहल है, जो बंगाल की उत्कृष्टता की समृद्ध विरासत को सम्मानित करती है। यह विशिष्ट कार्यक्रम उन उल्लेखनीय व्यक्तियों को पहचान और सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, जिन्होंने रक्षा, शिक्षा, व्यापार, मीडिया, खेल, खाद्य, फैशन, कला और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपनी स्थापना के बाद से, इस पुरस्कार ने उन लोगों को सम्मानित किया है जिन्होंने न केवल अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जिससे उनकी बंगाली विरासत को गौरव और मान्यता मिली है। सबसे हालिया समारोह 26 अप्रैल को 'सिटी ऑफ जॉय' कहे जाने वाले कोलकाता में आयोजित हुआ, जिसमें 13 विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

इस समारोह की भव्यता तब और बढ़ गई जब अभिनेत्री मौनी रॉय को उनके सिनेमा जगत में निरंतर योगदान और उपलब्धियों के लिए 'सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री' के पुरस्कार से नवाज़ा गया। सफेद और सुनहरे रंग की साड़ी में बेहद आकर्षक दिख रहीं मौनी ने इस सम्मान के लिए आयोजकों और दर्शकों का विनम्रतापूर्वक आभार व्यक्त किया। इस भव्य समारोह में मौनी रॉय के अलावा राहुल बोस, ममता शंकर, लीज़ा रे, सब्यसाची, नायरा बनर्जी, प्रीतम दा, अश किंग, इंद्रनील सेनगुप्ता, दिव्येंदु भट्टाचार्य और तिलोत्तमा शोमे सहित कई प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हुईं।

एक महत्वाकांक्षी प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम आज कोलकाता का एक बहुप्रतीक्षित वार्षिक आयोजन बन चुका है। इसका पहला संस्करण ही अपार सफलता और व्यापक मीडिया कवरेज के साथ संपन्न हुआ था। 'टी2' के सहयोग से प्रस्तुत 'प्राइड ऑफ बंगाल अवॉर्ड्स' ने लगातार अपनी प्रतिष्ठा और महत्व को बढ़ाया है। यह मंच न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का उत्सव मनाता है, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक उत्कृष्टता में बंगाल के निरंतर योगदान को भी रेखांकित करता है। इन पुरस्कारों के माध्यम से आयोजकों ने एक ऐसी प्रेरणादायी परंपरा की नींव रखी है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और उन लोगों की गौरवपूर्ण यात्रा का सम्मान करती है, जिन्होंने मानव प्रयास के विभिन्न क्षेत्रों में बंगाल की प्रतिष्ठा को ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 29-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में सोमवार को तेरापंथ भवन टी दासरहल्ली में संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन हुआ। साध्वीश्री सोमयशाजी ने प्रसंगों, कहानियों एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से बच्चों को समझाया कि संस्कार जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

'आर्ट ऑफ गिविंग' के तहत शुरू हुई अच्छा पड़ोसी-सच्चा पड़ोसी' पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व लोकसभा सदस्य और भुवनेश्वर केआईआईटी व केआईएसएस विश्वविद्यालयों के संस्थापक अच्युत सामंत द्वारा शुरू की गई सामाजिक सेवा और सामाजिक परिवर्तन की पहल 'आर्ट ऑफ गिविंग' के तहत अच्छा पड़ोसी-सच्चा पड़ोसी' कार्यक्रम शुरू किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत जक्कूर हवाईअड्डे के पास रहने वाले किरण रेड्डी के घर पर आर्ट ऑफ गिविंग कार्यक्रम शुरू किया। ज्ञातव्य है कि रेड्डी गत दिनों एक दुर्घटना के शिकार हो गए थे और बहुत दुखी थे। किरण रेड्डी की पड़ोसी और आर्ट ऑफ गिविंग की सदस्या ममता एन. स्वामी के उन्हें एक मित्रतापूर्ण शाम के लिए एकत्रित होने के बारे में बताया। सभी पड़ोसियों ने खुशी-खुशी प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। सभी अपने अपने घर से एक-एक व्यंजन बनाकर लाए और रेड्डी के घर की छत पर ही गेटुगेदर कर आर्ट ऑफ गिविंग के उद्देश्य को पूरा किया। इस मौके पर सदस्यों ने गीत गाया और आपस में बातचीत कर मनोरंजन किया।

शहर के 35 सार्वजनिक स्थलों पर 'मायुम बेंगलूरु' लगाएगा वॉटर डिस्पेंसर

लोगों को निशुल्क उपलब्ध होगा ठंडा व गर्म पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) ने भीषण गर्मी के मद्देनजर जरूरतमंद लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए एक अनूठी पहल की है जिसके तहत संस्था शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 35 वॉटर डिस्पेंसर लगाएगी। समाज के दानदाताओं के सहयोग से ये वाटर डिस्पेंसर शहर के आवाजाही वाले इलाकों, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, सरकारी दफ्तरों, मंदिरों के आसपास लगाए जा रहे हैं ताकि ज़रूरतमंदों को आवश्यकतानुसार ठंडा और गर्म पानी आसानी से मिल सके। इस अभियान के शुभारंभ के मौके पर रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मायुम बेंगलूरु के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद दिया। प्रोजेक्ट संयोजक अशोक अग्रवाल और अंकित मोदी ने सभी उपस्थित अतिथियों को प्रोजेक्ट की विस्तार से जानकारी दी। समाजसेवी प्रमोद मुरारका ने युवाओं को संकल्प दिलाया कि इस साल कम से कम 51 प्याऊ लगानी हैं। मंच के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार, सुनील शाह व आनंद अग्रवाल ने भी अपना योगदान दिया। प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेरापंथ भवन में टी दासरल्ली में आयोजित हुआ संस्कार निर्माण शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री सोमयशाज़ी के सान्निध्य में सोमवार को तेरापंथ भवन टी दासरहल्ली में संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन हुआ। साध्वीश्री सोमयशाजी ने प्रसंगों, कहानियों एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से बच्चों को समझाया कि संस्कार जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

साध्वीश्री ने उपस्थित बच्चों को अच्छे संस्कारों को ग्रहण करने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने बच्चों को योगासन का प्रशिक्षण देते हुए उनके लाभ बताए तथा प्रतिदिन योग करने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वीश्री सरलयशाजी की संसार पक्षीय भतीजी व योग प्रशिक्षिका सारिका खेतान ने बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में ज्ञानशाला प्रशिक्षिका गीता बाबेल, दीपिका गाँधी, सुनीता भटेवरा, डिम्पल चावत की उपस्थिति रही। तेरापंथ सभा के मंत्री प्रवीण बोहरा ने सभी का स्वागत किया एवं साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महिला मण्डल अध्यक्षा नेहा चावत ने साध्वीश्री का स्वागत किया। डिम्पल चावत ने धन्यवाद दिया।

छुट्टियों के दौरान यात्रियों के लिए विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। एसएमवीटी बेंगलूरु-बेलगावी के बीच दो ट्रिप, तथा यशवंतपुर-विजयपुरा और एसएमवीटी बेंगलूरु-मदुरै के बीच एक-एक ट्रिप चलाने का निर्णय लिया है।

ट्रेन संख्या 06551 एसएमवीटी बेंगलूरु-बेलगावी स्पेशल एक्सप्रेस 30 अप्रैल और 2 मई को 19:00 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन 7:30 बजे बेलगावी पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06552 बेलगावी-एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस 1 और 3 मई को 17:30 बजे बेलगावी से रवाना होगी और अगले दिन 04:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में तुमकुरु, अर्सिकेरे, बिरूर, दावणगेरे, हरिहर, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, अलनावर, लोंडा और खानपुर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में 16 कोच होंगे जिनमें 01 एसी 2-टियर, 01 एसी 3-टियर, 08 स्लीपर क्लास, 04 जनरल सेकंड क्लास और 02 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं

ट्रेन संख्या 06561 यशवंतपुर-विजयपुरा स्पेशल एक्सप्रेस 30 अप्रैल को 22:00 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और अगले दिन 14:05 बजे विजयपुरा पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06562 विजयपुरा-यशवंतपुर स्पेशल एक्सप्रेस 1 मई को 19:00 बजे विजयपुरा से रवाना होगी और अगले दिन 11:15 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में तुमकुरु, कोप्पल, गदग, बादामी, बागलकोट और अलमाटी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 02 एसी 2-टियर, 06 एसी 3-टियर, 07 स्लीपर क्लास, 04 जनरल सेकेंड क्लास, और 02 लगेज/जनरेटर/ब्रेक वैन होंगे।

ट्रेन संख्या 06521 एसएमवीटी बेंगलूरु-मदुरै स्पेशल एक्सप्रेस 30 अप्रैल को 19:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन 06:15 बजे मदुरै पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06522 मदुरै-एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस 1 मई को 09:10 बजे मदुरै से रवाना होगी और उसी दिन 19:50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। मार्ग में, ट्रेन कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, सलेम, नमक्कल, करूर, डिंडीगुल और कोडाईकनाल रोड पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में 02 एसी 2-टियर, 16 एसी 3-टियर और 02 लगेज/जेनरेटर/ब्रेक वैन होंगे। इन ट्रेनों के संबंधित स्टेशनों पर आगमन और प्रस्थान का समय जानने के लिए, यात्री आधिकारिक रेलवे वेबसाइट पर जा सकते हैं या निकटतम रेलवे बुकिंग काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

हीराबाग में 'गुरु पदम पुण्य स्मृति दिवस' 1 मई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग में विराजित डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि राष्ट्रसंत, उत्तर भारतीय प्रवर्तक, दादा गुरुदेव भण्डारी श्री पदमचन्द्रजी मानवता के मसीहा व एक सच्चे संत महापुरुष थे। उनका जीवन जनकल्याण के लिए सदैव समर्पित रहा। उनकी स्मृति में उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी के सान्निध्य में 1 मई को हीराबाग में 'गुरु पदम पुण्य स्मृति दिवस' का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सुबह नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा ने बताया कि जाप के पश्चात गुरु गुणगान दिवस मनाया जाएगा। महामंत्री अशोक बांठिया ने बताया कि गुरु पुण्य स्मृति के अवसर पर गुरु प्रसादी का आयोजन किया गया है। इसी दिन वर्षीतप के तपस्वियों का सम्मान भी किया जाएगा।

सम्मान

कर्नाटक के चामराजनगर तालुक के हरदनहल्ली गांव के एस. जगदीश ने भारत सरकार के कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्हें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड में सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है। शहर के प्रसिद्ध कलाकार जी. कृष्णा ने उन्हें बधाई दी।

परीक्षा भवन में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र, जनेऊ उतारने की जरूरत नहीं : रेलवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और अन्य हिंदू संगठनों ने रेलवे भर्ती बोर्ड की नर्सिंग अधीक्षक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र और जनेऊ उतार कर परीक्षा भवन में प्रवेश करने संबंधी निर्देश पर सोमवार को कड़ी आपत्ति जताई, जिसके तुरंत बाद इस फैसले को वापस ले लिया गया। रेलवे अधिकारियों ने व्यापक विरोध के बाद, अब स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा भवन में प्रवेश करने से पहले मंगलसूत्र और जनेऊ जैसे धार्मिक प्रतीकों को उतारने की आवश्यकता नहीं होगी।

रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने इसे लेकर बढ़ती नाराजगी के बीच, मामले में हस्तक्षेप किया और स्पष्ट किया कि रेलवे भर्ती बोर्ड की नर्सिंग अधीक्षक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी तरह के धार्मिक प्रतीक या मंगलसूत्र को उतारने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाए।

अधिकारियों के अनुसार, यह परीक्षा मंगलवार (29 अप्रैल) को मंगलूरु के बॉन्डेल में मनैल श्रीनिवास नायक बेसेंट विद्या केंद्र में आयोजित की जाएगी। शुरुआत में, प्रवेश पत्र में अभ्यर्थियों को परीक्षा देने से पहले मंगलसूत्र और जनेऊ उतारने का निर्देश दिया गया था।

विहिप के क्षेत्रीय नेता शरण पंपवेल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, अगर परीक्षा अधिकारियों द्वारा इनमें से कोई भी कदम (अभ्यर्थियों के मंगलसूत्र और जनेऊ उतारने) उठाया जाता है, तो हम इसमें सुधार कराएंगे। हिंदू संगठनों ने तर्क दिया कि इससे हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। विहिप के प्रवक्ता ने कहा, विवाहित महिलाओं से मंगलसूत्र और सिंदूर हटाने के लिए कहना या पुरुषों से जनेऊ उतारने को कहना करोड़ों लोगों की हिंदू परंपराओं पर हमला करने के समान है।

विहिप ने जिले के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर हिंदू अभ्यर्थियों को उनकी धार्मिक पहचान से समझौता किए बिना परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दिये जाने की मांग की। यह विवाद सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के दौरान हाल ही में हुई घटनाओं के मद्देनजर सामने आया है, जहां कुछ परीक्षा केंद्रों पर कुछ अभ्यर्थियों से कथित तौर पर इन चीजों को हटाने के लिए कहा गया था।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने इस मुद्दे पर बेंगलुरू में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मंगलसूत्र, जनेऊ जैसी धार्मिक चीजों की उन्हें जांच करने दीजिए, लेकिन उन्हें उतारने के लिए कहना सही नहीं है। भाजपा का असली चेहरा अलग है। वे कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। इस फैसले को वापस लिया जाए और लोगों को इसके खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करना चाहिए।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कनकपुरा रोड स्थित केएस शिक्षण संस्थान में आरोहण-2025 का आयोजन किया जिसमें विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने शिक्षण संस्थान के मेधावी बच्चों का सम्मान किया। संस्थान प्रबंधन ने मुणोत का सम्मान किया।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने 65 बच्चों में विकसित की प्रभावी संवाद की चमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा 6 दिवसीय सार्वजनिक भाषण कार्यशाला चमकते सितारे' का समापन समारोह शनिवार को हुआ।इस शिविर में 65 प्रतिभागियों ने दो बैचों में भाग लिया, जिसमें कुल 60 घंटे का गहन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सार्वजनिक भाषण की कला में प्रशिक्षित करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था। अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। बच्चों को जैन मूल्यों और भगवान महावीर के सिद्धांतों, सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र का भी प्रशिक्षण दिया गया तथा साधु जीवनचर्या का भी ज्ञान दिया गया। बच्चों के लिए क्लासरूम सत्र के अलावा आउटडोर लर्निंग सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें 6 टीमों ने ट्रेजर हंट खेला और रेड टीम विजेता रही। जीतो साउथ उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी व उप चेयरमैन महेंद्र रांका ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। जीतो लेडीज विंग की संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने लेडीज विंग के कार्यों की सराहना की।

जीतो जॉब्स की एपेक्स संयोजिका अनिता पिरगल, श्रमण आरोग्यम की एपेक्स संयोजिका सुनीता गांधी, सीएफई की वाइस चेयरपर्सन मोनिका पिरगल आदि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभावी संवाद किसी भी व्यक्ति के जीवन का दर्पण होता है। कार्यशाला की संयोजिका संगीता सियाल, अस्मिता चौहान, पुष्पा श्रीश्रीमाल और चेतना खांटेड़ आदि का सहयोग रहा। मुख्य सचिव निधि पालरेचा और सह सचिव चंद्रा जैन ने धन्यवाद दिया। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मनो तंगराज ने तमिलनाडु के मंत्री पद की शपथ ली

चेन्नई/दक्षिण भारत । तमिलनाडु में दो वरिष्ठ मंत्रियों के इस्तीफे के बाद स्टालिन के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल के तहत पद्मनाभपुरम के विधायक टी मनो तंगराज ने सोमवार को मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आर एन रवि ने तंगराज को पद की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के पिछले फेरबदल में तंगराज को दूध और डेयरी विकास मंत्री के पद से हटा दिया गया था। राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने में देरी के संबंध में उच्चतम न्यायालय से द्रमुक सरकार के पक्ष में फैसला आने के बाद इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और राज्यपाल रवि के बीच पहली बार मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने हाथ मिलाया और एक-दूसरे का अभिवादन किया। रविवार को तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी और के पोनमुडी ने अपने खिलाफ अदालती मामलों के मद्देनजर इस्तीफा दे दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे सेंथिल बालाजी को पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने ''पद और स्वतंत्रता के बीच'' चुनाव करने के लिए कहा था और चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी।

वहीं, पोनमुडी ने हाल में अपनी शैव-वैष्णव टिप्पणी से बड़ा विवाद पैदा कर दिया था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी। पोनमुडी की टिप्पणी से जुडे मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने कार्यवाही शुरू की थी। मंत्री एस एस शिवशंकर को बिजली विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। इसके अलावा, मंत्री एस मुथुसामी को आबकारी और निषेध विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था।

तमिलनाडु पुलिस ने कट्टरपंथ से मुक्ति कार्यक्रम के लिए 100 से अधिक युवाओं की पहचान की

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित और आईएसआईएस सहित प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की ओर झुकाव वाले 100 से अधिक युवाओं की पहचान की है और उन्हें कट्टरपंथ से मुक्ति दिलाने वाले कार्यक्रम में शामिल किया है। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत 2025-26 के लिए गृह विभाग संबंधी नीति नोट में कहा गया है कि विशेष खुफिया इकाइयों (एसआईयू) द्वारा उनकी पहचान की गई है। इसमें कहा गया है, कट्टरपंथी विचारधारा रखने वाले तथा आईएसआईएस, अलकायदा आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की ओर झुकाव रखने वाले अनेक युवाओं की पहचान करने के प्रयास किए गए। कट्टरपंथ से मुक्त होकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए धार्मिक विद्वानों, मनोचिकित्सकों की सेवाओं का उपयोग किया गया है। अब तक, 101 कट्टरपंथी युवाओं को, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, कट्टरपंथ रोधी कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिसमें 2024 के दौरान शामिल किए गए 19 व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा, पुलिस ने एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर राज्य में प्रतिबंधित हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी) का समर्थन करने वाले कुछ लोगों' के प्रयासों को विफल कर दिया और उन्हें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत गिरफ्तार कर लिया। उपासना स्थलों, कब्रिस्तानों आदि पर विवादों से जुड़े सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मुद्दों पर संबंधित जिलों और शहरों के अधिकारियों के साथ समय पर खुफिया जानकारी साझा करने के कारण, सांप्रदायिक उपद्रव या झड़पों को विफल कर दिया गया।

सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ पोस्ट करने के लिए 2024 में 48 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। नोट में कहा गया है कि तमिलनाडु में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में 93 बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ लगभग 52 मामले दर्ज किए गए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com